CNews मिटी चीफ

मिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-343
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 15 मार्च 2024

आज का विचार

लोगों को उसी रूप में स्वीकार करें जैसे वे है - स्तिथियों को नहीं

पेज-04

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड के आंकड़े किए सार्वजनिक, चौंकाने वाले तथ्य आए सामने

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट पर इलेक्टोरल बॉन्ड के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए। अब इनको लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। 2019 और 2024 के बीच राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली शीर्ष पांच कंपनियों में से तीन ने इलेक्टोरल बॉन्ड उस वक्त खरीदे जब उनके यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की जांच चल रही थी। इनमें लॉटरी कंपनी फ्यूचर गेमिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म मेघा इंजीनियरिंग और खनन की दिग्गज कंपनी वेदांता शामिल हैं।

फ्यूचर गेमिंग नंबर वन चुनाव आयोग द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में इलेक्टोरल बॉन्ड का नंबर 1 खरीदार सैंटियागो मार्टिन द्वारा संचालित फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स प्राइवेट लिमिटेड है। लॉटरी कंपनी ने 2019 से 2024 के

बीच 1,300 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं। ईडी ने 2019 की शुरुआत में फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की थी। उस साल जुलाई तक, उसने कंपनी से संबंधित 250 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली थी। 2 अप्रैल 2022 को ईडी ने मामले में 409.92 करोड़ रुपये की चल संपत्ति कुर्क की थी। इन संपत्तियों की कुर्की के पांच दिन बाद 7 अप्रैल को फ्यूचर गेमिंग ने 100 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी ने सैंटियागो मार्टिन और उनकी कंपनी मेसर्स फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस (पी) लिमिटेड के खिलाफ पीएमएलए के प्रावधानों के तहत जांच शुरू की थी। इस कंपनी का नाम वर्तमान में मेसर्स फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज (पी) लिमिटेड और पूर्व में मार्टिन लॉटरी एजेंसीज लिमिटेड था। ईडी की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर एक चार्जशीट के बाद शुरू हुई थी। ईडी के अनुसार, मार्टिन और अन्य ने लॉटरी विनियमन अधिनियम, 1998 के प्रावधानों का उल्लंघन करने और सिक्किम सरकार को धोखा देकर गलत लाभ प्राप्त करने के लिए एक आपराधिक साजिश रची। ईडी ने 22 जुलाई, 2019 को एक बयान में कहा, मार्टिन और उनके सहयोगियों ने 01.04.2009 से 31.08.2010 की अवधि के दौरान पुरस्कार विजेता टिकटों के दावे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर 910.3 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की।

हज यात्रा के दौरान झंडे लहराए तो सऊदी पुलिस करेगी कार्रवाई

भोपाल। अपने मुल्क का झंडा दुनिया के हर कोने तक बुलंद रहे, यह हर सच्चे भारतीय की तमन्ना होती है। इसी मंशा के साथ भारतीय हजयात्री अपने साथ बाकी जरूरी सामान के साथ अक्सर तिरंगा भी ले जाते हैं। मौका देखकर वह काबा शरीफ के सामने अपनी छाती पर तिरंगे को रखकर तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी वायरल करते हैं। कई मौकों पर सऊदी अरब की जमीन पर देशप्रेम के जज्बे के नारे भी बुलंद किए जाते रहे हैं। लेकिन, अब सऊदी सरकार ने ऐसी सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। इस तरह की क्रियाओं में शामिल होने वाले हजयात्रियों को गिरफ्तार भी किया जाएगा और उनका वीजा निरस्त कर सफर बीच में ही खत्म कर दिया जाएगा। मप्र राज्य हज कमेटी अध्यक्ष रफत वारसी ने प्रदेश के सभी चयनित हाजियों को इस बारे में सूचित किया है। उन्होंने सेंट्रल हज कमेटी के मार्फत मिले सऊदी सरकार के इस फरमान का पालन करने की ताकीद की है। प्रदेश हज कमेटी ने कहा कि सऊदी सरकार ने हजयात्रा 2024 के दौरान हाजियों को किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि करने से रोका है। साथ ही मक्का और मदीना में पवित्र मस्जिदों पर झंडे या किसी भी प्रकार के बैनर फहराने पर भी पाबंदी लगाई है। हाजियों को ताकीद की गई है कि वे मस्जिदों के फर्श पर पड़ी दूसरों की वस्तुओं को न उठाएं। साथ ही सऊदी सुरक्षा कर्मियों के साथ किसी तरह की बहस या झगड़ा न करें। सऊदी सरकार ने सभी हाजियों को चेताया है कि हज के दौरान किसी तरह का धरना देना या सऊदी अरब के कानूनों के तहत सख्त वर्जित किसी भी प्रकार की नारेबाजी करना भी प्रतिबंधित रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा सीएए लागू करने का मामला, मंगलवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन बिल लागू करने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कपिल सिब्बल ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की याचिका सर्वोच्च अदालत में पेश की। सुप्रीम कोर्ट याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है और मंगलवार की तारीख दी है। बता दें, सीएए को लेकर करीब 200 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। कुछ याचिकाएं इसके पक्ष में हैं, तो कुछ खिलाफ। बीते दिनों, केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर देशभर में सीएए लागू करने की घोषणा की थी। यह कानून करीब चार साल पहले संसद के दोनों सदनों में पारित हो गया था। विपक्ष भी इस मुद्दे पर लगातार हंगामा कर रहा है। कांग्रेस ने भी टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए भाजपा पर वोटों का ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया है। वहीं, सरकार का कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है।

कांग्रेस को फिर झटका, पंकज संघवी और अंतर सिंह दरबार भाजपा में शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस में मची भगदड़ नहीं रुक पा रही है। अब इंदौर से कांग्रेस नेता पंकज संघवी और महू से पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार ने शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता ली। विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर अंतर सिंह दरबार ने कांग्रेस पार्टी से बागी होकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने दोनों नेताओं समेत उनके समर्थकों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पूरा देश राममय और मोदीमय हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा परिवार लगातार बढ़ रहा है। पूरे देश में सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश में ही भाजपा का परिवार बढ़ रहा है। जमीन से जुड़े ऐसे नेताओं के बिना हमे खटकता था। क्षेत्र के विकास के लिए जो भी आप लोग कहेंगे वो हमारी सरकार करेगी। कैलाश जी और पंकज संघवी की परिषद की जोड़ी एक बार फिर साथ आई है। केवल भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो सामान्य कार्यकर्ता को ऊपर उठाकर सीएम और पीएम बना सकती है। सच्चे अर्थों में लोकतंत्र को जीवंत रखने का माद्दा है तो वो केवल भाजपा में है। हमें किसी को छोड़ना नहीं है सबको जोड़ना है।

लोकसभा चुनाव से पहले पेट्रोल-डीजल हुआ दो रुपए सस्ता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने लोगों को राहत देते हुए पेट्रोल-डीजल के दामों में 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती कर दी है। वहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि पेट्रोल और डीजल के दाम 2 रुपये कम करके प्रधानमंत्री ने एक बार फिर साबित कर दिया कि करोड़ों भारतीयों के अपने परिवार का हित और सुविधा सदैव उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जब विश्व मुश्किल दौर से गुजर रहा था, विकसित और विकासशील देशों में पेट्रोल के दामों में 50-72 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई और हमारे आसपास के कई देशों में तो पेट्रोल मिलना बंद हो गया। 50 साल के सबसे बड़े तेल संकट के बावजूद पीएम मोदी के दूरदर्शी और सहज नेतृत्व के कारण मोदी के परिवार पर आंच नहीं आई। केंद्र सरकार के इस फैसले से पहले राजस्थान में भजनलाल सरकार ने आमजन को बड़ी राहत दी. साथ ही सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया। राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल में वैट 4 फीसदी कम कर दिया। इससे पेट्रोल 1.40 रुपये से लेकर 5.30 रुपये तक सस्ता हो गया। वहीं, डीजल 1.34 रुपये से लेकर 4.85 रुपये तक सस्ता हो गया।

संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक में भारत 193 देशों में से 134वें स्थान पर आ गया

देश में बढ़ गई लोगों की उम्र और कमाई, यूएन ने की तारीफ

नई दिल्ली। भारत में लोगों की औसत उम्र अब बढ़ गई है। अब देश में लोगों की औसत उम्र 67.7 साल हो गई है, जो अब तक 62.7 साल थी। इसके अलावा भारत की सकल राष्ट्रीय आय में भी इजाफा हुआ है। देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 6951 डॉलर हो गई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक में भारत 193 देशों में से 134वें स्थान पर आ गया है। यह पिछले साल की तुलना में बेहतर है। मानव विकास की बेहतर स्थिति की बदौलत भारत इस बार मध्यम मानव विकास श्रेणी में आ गया। इसके अलावा इस बार भारत ने लैंगिक असमानता सूचकांक में भी प्रगति दिखाई है। भारत की इस प्रगति पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भी शाबाशी दी है। यूएन इस देश की स्थिति में इस तरह के सुधार को शानदार बताया है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के देश प्रतिनिधि केटलिन विसेन ने कहा,भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। 1990 के बाद से, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 9.1 वर्ष बढ़ गई है, स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 4.6 वर्ष बढ़ गए हैं और स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष 3.8 वर्ष बढ़ गए हैं।

लैंगिक असमानता में गिरावट

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम- यूएनडीपी की एक

रिपोर्ट मानव विकास रिपोर्ट 2023- 2024 के सूचकांक में भारत में लैंगिक असमानता में गिरावट देखी गई है। यूएनडीपी ने लैंगिक असमानता सूचकांक 2022 जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई) 2022 में भारत 0.437 स्कोर के साथ 193 देशों में से 108वें स्थान पर है। लैंगिक असमानता सूचकांक 2021 में भारत 0.490 स्कोर के साथ 191 देशों में से 122वें स्थान पर रहा।

कितनी सुधरी भारत की स्थिति

रिपोर्ट में जीआईआई 2021 की तुलना में जीआईआई 2022 में 14 पायदान की महत्वपूर्ण छलांग दर्शाता है। पिछले 10 वर्षों में, जीआईआई में भारत की वरीयता लगातार बेहतर हुई है, जो देश में लैंगिक समानता हासिल करने में प्रगतिशील सुधार का संकेत देती है। वर्ष 2014 में यह रैंक 127 थी, जो अब 108 हो गई है।

यह कहा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास महिला मंत्रालय के अनुसार यह सरकार के दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विकास के उद्देश्य से नीतिगत सुधारों से महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित निर्णायक एजेंडे का परिणाम है। लड़कियों की शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता सुविधा और कार्यस्थल में सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर पहल शामिल हैं। इन क्षेत्रों में नीतियां और कानून सरकार के महिला-नेतृत्व वाले विकास एजेंडे को चला रहे हैं।मानव विकास सूचकांक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में मानव विकास के स्तर का मूल्यांकन और तुलना करने के लिए सृजित एक समग्र सांख्यिकीय मापक है।

सीएम ममता बनर्जी को मिली अस्पताल से छुट्टी

डॉक्टर बोले- किसी ने उन्हें पीछे से धक्का दिया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एसएसकेएम अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। अस्पताल के निदेशक मणिमोय बंद्योपाध्याय ने बताया कि शाम करीब साढ़े सात बजे सूचना मिली की मुख्यमंत्री गिर गई हैं। उन्हें सिर पर चोट आई है। माथे और नाक पर चोट आई है। उनका खून बह रहा था। हमारे संस्थान के एचओडी न्यूरोसर्जरी, एचओडी मेडिसिन और कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा उसका मूल्यांकन किया गया। माथे पर तीन टांके और नाक पर एक टांके लगाया गया है। उनका ईसीजी और सीटी स्कैन भी किया गया। डॉक्टर ने बताया कि उन्हें अस्पताल में रहने की सलाह दी गई थी लेकिन उन्होंने घर जाने की इच्छा जताई। सीएम घर पर निगरानी में रहेंगी। डॉक्टरों की टीम उनकी देखभाल करेगी।

डॉक्टरों का खुलासा- सीएम को किसी ने पीछे से धक्का मारा

बंद्योपाध्याय ने खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें किसी ने पीछे

से धक्का दिया था। संवाददाताओं से सीएम की भाभी काजरी बनर्जी ने कहा कि सुना है, उन्हें पीछे से कोई धक्का लगा है। लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि धक्का किसने मारा है। धक्का गलती से मारा है या जानबूझकर। मामले में अब षड़यंत्र की बात उठने लगी है। बता दें, टीएमसी समर्थकों ने मांग की है कि ममता बनर्जी को एनएसजी सुरक्षा दी जाए। हमें बंगाल पुलिस पर भरोसा नहीं है। हालांकि, धक्का मारने के एंगल की जांच की जा रही है।

यह है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक, ममता को चोट उनके घर पर ही लगी। परिसर में टहलने के दौरान गिरकर ममता गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उनके माथे पर टांके लगाए जाएंगे। तृणमूल के एक्स हैंडल (पूर्व में ट्विटर) ने ममता की तस्वीर जारी की थी। तृणमूल सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ममता गुरुवार को कालीघाट आवास परिसर में टहल रही थीं। उसी समय वह गिर गईं। तुरंत उन्हें घर के अंदर ले जाया गया। उसके बाद उन्हें एसएसकेएम अस्पताल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। डॉक्टरों ने कहा कि माथे पर टांके लगाने होंगे। बताया जा रहा है कि चोट काफी गहरी है।

पीएम समेत कई नेताओं ने की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना- इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि वे ममता दीदी के शीघ्र स्वस्थ होने के साथ ही अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीएम ममता बनर्जी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी एक्स पर एक पोस्ट में टीएमसी प्रमुख ममता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अस्पताल पहुंचकर सीएम ममता बनर्जी का हाल जाना। उन्होंने बताया कि मैं यहां डॉक्टरों के व्यक्तिगत सत्यापन के लिए आया हूं। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि सब कुछ नियंत्रण में है। सीएम को बेहतरीन चिकित्सा मिल रही है। स्थिति नियंत्रण में है। वहीं, बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने ममता के स्वस्थ होने की कामना की है।

सरकार का बड़ा एक्शनः डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म पर बड़ी कार्रवाइ, 18 एप्स पर लगा बैन

12 फेसबुक अकाउंट, 17 इंस्टाग्राम अकाउंट, 16 एक्स अकाउंट और 12 यूट्यूब अकाउंट को भी बैन किया

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म पर बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने ऑनलाइन अश्लील कंटेंट परोसने वाले ओटीटी ऐप, वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल को बैन कर दिया है। ये ऐप, ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एंटरटेनमेंट के नाम पर अश्लील और आपत्तिजनक वीडियो पेश कर रहे थे। बता दें कि जिन ऐप पर बैन लगाया गया है, उसमें 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म, 19 वेबसाइट, 10 एप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल शामिल है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से बैन लगाने का ऐलान किया गया है। भारत सरकार के इंफोर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री ने गूगल प्ले

और एप्पल ऐप स्टोर को भी इन ऐप्स को अपने-अपने प्लेटफॉर्म्स से हटाने का आदेश दिया है. केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहले कुछ ओटीटी प्लेटफार्म्स को चेतावनी दी थी, जो क्रिएटिव मीडिया के रूप में वल्गर और न्यूड कंटेंट को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड करते थे. ऐसे कंटेंट भारतीय आईटी अधिनियम 2000 का उल्लंघन करती है, जिसमें विशिष्ट धाराएं हैं जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करती हैं।

सरकार ने 12 फेसबुक अकाउंट, 17 इंस्टाग्राम अकाउंट, 16 एक्स अकाउंट और 12 यूट्यूब अकाउंट को भी बैन किया है, जो नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। इन्फर्मेशन और ब्रॉडकॉस्टिंग मिनिस्ट्री ने ओटीटी प्लेटफार्म पर बैन लगाने की वजह बताते हुए कहा कि इन प्लेटफार्म पर होस्ट किया जाने वाला कंटेंट अश्लील, और महिलाओं को अपमानजनक तरीके दिखाया था। इसमें नग्नता और यौन कार्यों को दिखाया गया था, जो स्टूडेंट और टीचर के रिश्ते को दागदार कर रहा था।

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था प्रचार- इसके अलावा, इन ओटीटी प्लेटफार्मों ने दर्शकों को अपनी वेबसाइटों और ऐप्स पर आकर्षित करने के लिए ट्रेलर, खास सीन और लिंक शेयर करने के लिए सोशल मीडिया का भारी उपयोग किया। उनके सोशल मीडिया अकाउंट के संयुक्त फॉलोअर्स की कुल संख्या 3.2 मिलियन से ज्यादा है।

यह कहा सरकार ने सरकार ने एक रिलीज में कहा, सरकार ओटीटी इंडस्ट्री के विकास को समर्थन देने के लिए समर्पित है। उन्होंने 54वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वेब सीरीज के लिए पहले ओटीटी पुरस्कार जैसी पहल शुरू की है, मीडिया और मनोरंजन में ओटीटी प्लेटफार्मों के साथ मिलकर काम किया है, और आईटी नियमों 2021 के तहत सेल्फ-रेगुलेशन पर जोर देते हुए एक हल्की नियामक प्रणाली स्थापित की है।

इन धाराओं के तहत कार्रवाई ओटीटी प्लेटफार्म को इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के सेक्शन 67 और 67ए के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की सेक्शन 292 और महिलाओं के अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 4 का उल्लंघन करने के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

सिंगल कॉलम

इंदौर में सवा तीन करोड़ रुपये की ठगी में ब्रोकर पर एफआइआर

इंदौर। भंवरकुआं थाना पुलिस ने प्रापर्टी ब्रोकर शैलेंद्र पोरवाल पर तीन करोड़ 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोपित ने दूसरे का प्लाट बेचकर रुपये लिए थे। एसीपी देवेंद्रसिंह धुर्वे के मुताबिक, बिल्डर आशीष वर्मा (कान्यकुंज नगर) और ब्रोकर शैलेंद्र में सौदेबाजी चलती थी।अगस्त 2018 में शैलेंद्र ने विष्णुपुरी का चार हजार वर्गफीट का प्लाट बताया और कहा कि उसे बेचना है। प्लाट मनोज दाधीज के नाम का है। सौदा करने के लिए वह अधिकृत है। आशीष से रुपये और चेक के माध्यम से तीन करोड़ और 20 लाख रुपये ले लिए। रजिस्ट्री के लिए बहाने बनाए तो शक हुआ। जानकारी निकालने पर पता चला कि प्लाट तो राजेंद्र के नाम से है। आशीष ने समझौता का प्रयास किया लेकिन आरोपित झांसेबाजी करता रहा। एसीपी ने शिकायत की जांच कर बुधवार को एफआइआर दर्ज करवा दी। थाने के सामने विवाद, गाड़ियां फोड़ी इंदौर। विजय नगर थाने के सामने पराठा की दुकान पर विवाद हो गया। नशे में विवाद कर रहे दो युवकों की दुकान के कर्मचारियों ने पिटाई की और गाड़ियां भी फोड़ दी। पुलिस ने कार्रवाई से इनकार किया है। घटना एनआरके बिजनेस पार्क के समीप की है। पराठा की दुकान पर दो युवक शराब के नशे में पहुंचे थे। घटना का वीडियो हुआ वायरल शराबियों ने मुफ्त में पराठे मांगे और दुकान संचालिका के बेटे से अभद्रता दी। कर्मचारियों ने गुस्से में उनकी पिटाई कर दी। पत्थर उठाकर गाड़ी भी फोड़ दी। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हु, लेकिन पुलिस ने किसी पर कार्रवाई नहीं की। टीआइ सीबी सिंह के मुताबिक, युवक घायल अवस्था में थाने आए थे लेकिन मेडिकल परीक्षण कराए बगैर चले गए।

महाकाल मंदिर में हाथी द्वार से भक्तों का प्रवेश शुरू

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में गुरुवार को प्राचीन नागधारी गणेश मंदिर के समीप स्थित नवविस्तारित हाथी द्वार से भक्तों का प्रवेश शुरू हुआ। इस द्वार से 250 रुपये की शीघ्र दर्शन टिकट वाले श्रद्धालु तथा नियमित दर्शनार्थियों को मंदिर में प्रवेश दिया जा रहा है। नवनिर्माण के चलते 4 नंबर गेट को तोड़ा जाना है, इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सालों से बंद हाथी द्वार को खोला गया है। सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी ने बताया महाकाल मंदिर समिति द्वारा हरसिद्धि चौराहा से बड़ा गणेश होते हुए मंदिर के 4 व 5 नंबर गेट तक नए महाकाल महालोक की तर्ज पर नए परिपथ का निर्माण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बड़ा गणेश मंदिर के समीप तीसरे फैसिलिटी सेंटर का निर्माण होगा तथा 4 व 5 नंबर गेट को तोड़कर भगवान महाकाल की सवारी में निकलने वाले रथ तथा अन्य वाहनों के लिए रैंप का निर्माण किया जाएगा। अब तक शीघ्र दर्शन टिकट वाले दर्शनार्थी, नियमित श्रद्धालु, पुजारी-पुरोहित आदि 4 व 5 नंबर गेट से मंदिर में प्रवेश करते हैं। ऐसे में इन द्वारों को तोड़ने से पहले इनके समीप स्थित श्री नागधारी गणेश मंदिर से लगे प्राचीन हाथी द्वार से भक्तों का प्रवेश शुरू किया गया है। इसके लिए हाथी द्वार के ऊपरी हिस्से को तोड़कर नए द्वार का निर्माण किया गया है। दर्शनार्थी नवनिर्मित लोहे की सीढ़ियों से चढ़कर विश्राम धाम, सभा मंडप होते हुए गणेश मंडप से भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे।

छात्राओं से भरी स्कूल की वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, सात घायल

रतलाम। महू-नीमच हाईवे पर जिला मुख्यालय से करीब 17 किलोमीटर दूर पलदुना फंटे के समीप ट्रक ने स्कूली वैन को टक्कर मार दी । इससे वैन में सवार 7 छात्राएं घायल हो गई। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह निजी वैन ग्राम नौगांव और पलदुना से विद्यार्थियों को लेकर जा रही थी। तभी पलदुना फंटे के पास एक ट्रक ने वैन को टक्कर मार दी इससे वैन में सवार छात्रा दीपिका पुत्री दिनेश धाकड़, राधा पुत्री भरत बैरागी, लक्ष्मी पुत्री रघुनंदन शर्मा, अर्पिता पुत्री कैलाश धाकड़, प्रेमलता पुत्री देवी लाल धाकड़, पायल पुत्री प्रकाश धाकड़ घायल हो गई। दोपहर में होना है परीक्षा सभी छात्राएं कक्षा नौंवी में अध्ययनरत है और दोपहर 2 बजे उनकी परीक्षा होने वाली है। घायलों को 108 एंबुलेंस से नामली के सरकारी अस्पताल ले जाया गया प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर एसडीएम व अन्य अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे और छात्राओं तथा उनके परिजन से घटना के बारे में जानकारी ली। छात्राएं कोचिंग के लिए निजी वैन से पढ़ाई करने नामली जा रही थी तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वैन सड़क को क्रॉस कर रही थी तभी जावरा की ओर से तेज गति से आए ट्रक ने साइड से टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भाग निकला। उधर, वैन चालक तुषार जैन ने बताया कि वे सड़क क्रॉस करने के लिए वैन लेकर खड़े थे, तभी जावरा की ओर से तेज गति में आए ट्रक ने टक्कर मार दी।

'जैन अध्ययन केंद्र' में पांडुलिपियों का होगा डिजिटलीकरण संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन का भी होगा कार्य

सिटी चीफ इंदौर।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में 25 करोड़ रुपये की लागत से 'जैन अध्ययन केंद्र' की स्थापना होगी। 'जैन अध्ययन केंद्र' की स्थापना से मध्यप्रदेश के साथ देशभर में जैन धर्म की संस्कृति एवं धरोहर के संरक्षण-संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में 'जैन अध्ययन केंद्र' की स्थापना का निर्णय लिए जाने प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी माना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में धर्म और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य लगातार किया जा रहा है।

ये सहायता मिलेगी इंदौर के विश्वविद्यालय में 'जैन अध्ययन केंद्र' के साथ गुजरात विश्वविद्यालय में 40 करोड़ की लागत से ''जैन पांडुलिपि विज्ञान केंद्र'' स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से जैन दर्शन के विकास, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के माध्यम से भाषा के संरक्षण, सामुदायिक जनसंपर्क को प्रोत्साहन तथा जैन धर्म की अपभ्रंश और प्राकृत भाषा के विकास के लिए शिक्षण सहायता मिलेगी। वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंच प्रण से प्रेरणा प्राप्त कर मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में इस 'जैन अध्ययन केंद्र' की स्थापना होगी। 'जैन अध्ययन केंद्र' की स्थापना से मध्यप्रदेश के साथ देशभर में जैन धर्म की संस्कृति एवं धरोहर के संरक्षण-संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह दोनों केंद्र 'विरासत भी, विकास भी' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पांडुलिपि पर हो रहा शोध

शहर में पहले भी जैन पांडुलिपि के संरक्षण के लिए कार्य किया जा चुका है। इसमें कुंदकुंद ज्ञानपीठ में सैकड़ो पांडुलिपियों को संरक्षित किया गया है। कई पांडुलिपि तो वे भी है जो स्वर्ण से लिखी गई है। शहर में और भी कई स्थानों पर पांडुलिपियां हैं। कई लोग इन पांडुलिपियों पर शोध भी कर रहे हैं।

पतंजलि योगपीठ में इलाज का झांसा देकर पंडित से 94 हजार रुपये ठग लिए

सिटी चीफ उज्जैन।

पतंजलि योगपीठ में उपचार कराने के लिए एक पंडित ने गूगल पर नंबर तलाश किया था। इसके बाद मोबाइल नंबर पर फोन कर जानकारी ली थी। फोन पर व्यक्ति ने उसे उपचार का झांसा देकर दो अलग-अलग बार में कुल 94 हजार रुपये बैंक खाते में जमा करवा लिए। बाद में पंडित को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। जिस पर उसने पुलिस को शिकायत की थी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। महाकाल पुलिस ने बताया कि सत्येंद्र कुमार दुबे 30 वर्ष निवासी रामघाट मार्ग कहारवाड़ी पंडित है। 7 जनवरी को उसने पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में उपचार कराने के लिए गूगल पर वहां का मोबाइल नंबर तलाश किया था। जिसके बाद उस नंबर पर फोन कर बात की थी। बातों में उलझाकर फोन उठाने वाले व्यक्ति ने उससे दो अलग-अलग बार में कुल 94 हजार रुपये आनलाइन बैंक खाते में जमा करवा लिए थे। सत्येंद्र को बाद में पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। जिस पर उसने संबंधित मोबाइल नंबर व बैंक खाते की जानकारी निकाली तो पता चला कि वह बैंक खाता मसोर खुर्द ललितपुर उत्तर प्रदेश के आनंद पटेल नामक व्यक्ति के नाम पर है। जिसके बाद उसने आनंद से रुपये वापस मांगे थे। रुपये नहीं मिलने पर दुबे ने पुलिस को शिकायत की थी। जिस पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

इंदौर प्रेस क्लब में गूंजेंगी पंकज उधास की गजलें वृंदावन कालोनी में मनेगा फाग महोत्सव

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 15 मार्च को होंगे। इसमें श्रीमंत सुभेदार मल्हारराव होलकर की जयंती के उपलक्ष्य में दुग्धाभिषेक होगा। इसके अलावा पश्चिम क्षेत्र में जैन संतों का मंगल प्रवेश चल समारोह भी निकाला जाएगा। आप अगर पंकज उधास की गजले सुनने का शौक रखते है तो चिट्ठी आई है कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। फाग महोत्सव, श्रीमद् भागवत कथा और शिव महापुराण के आयोजन भी शहर में अलग-अलग स्थानों पर होंगे। श्री क्षत्रिय धनगर नवयुवक मंडल इंदूर एवं श्री क्षत्रिय धनगर सेवा संघ इंदूर के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमंत सुभेदार मल्हारराव होलकर की 331वीं जयंती पर दो दिनी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें शुक्रवार को महूनाका स्थित लालबाग परिसर में सुबह 9 बजे श्रीमंत सुभेदार मल्हारराव होलकर की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक कर माल्यार्पण किया जाएगा। 16 मार्च शाम 5 बजे देवी अहिल्या बाई की प्रतिमा राजवाड़ा पर माल्यार्पण कर शौर्ययात्रा निकाली जाएगी। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के तत्वावधान में कालानी नगर जिनालय से सुबह 9 बजे समय सागर एवं मुनिश्री विमलसागर महाराज का मंगल प्रवेश जुलूस गाजे-बाजे के साथ निकाला जाएगा। दोनों ही मुनिराज की अगवानी श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट एवं पंचकल्याणक महोत्सव समिति द्वारा किया जाएगा। छत्रीबाग स्थित श्री रामद्वारा में इन दिनों श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ जारी है। कथा का वाचन संत हरीराम महाराज शास्त्री जोधपुर वालों के मुखारविंद से हो रहा है। इसमें राम और कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कथा 17 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे तक होगी। शहर में शिव महापुराण कथा को श्रवण करने का सुअवसर भी भक्तों को मिल रहा है। यह अवसर नौलखा स्थित श्री सिद्धेश्वर वीर हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा में मिल रहा है। यहां कथा वाचक पंडित नारायण शास्त्री के मुखारविंद से 17 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक कथा सुनाई जा रही है। संस्था सृजन द्वारा रंगारंग समरसता फाग महोत्सव वृंदावन कालोनी चौराहा पर दोपहर 3 बजे मनाया जाएगा। इसमें फाग गीतों का उल्लास छाएगा।। इसमें फाग गीतों की प्रस्तुति पर मातृशक्तियां थिरकेंगी। भोजन प्रसादी के साथ आयोजन का समापन होगा। आप लेखन के शौकीन हैं और चाहते हैं कि आपकी रचनाएं श्रोताओं तक पहुंचे तो शाम 5 बजे हिंदी साहित्य समिति पहुंच जाएं। यहां स्वरचित रचना पर आधारित कार्यक्रम सृजन विविधा कार्यक्रम में आप अपनी रचना सुना सकते हैं। यदि आज की शाम आप पंकज उधास की गजलें सुनते हुए बिताना चाहते हैं तो यह मौका इंटरनेशनल रिदम बैंड और प्रेस क्लब द्वारा 'चिट्ठी आई है... कार्यक्रम के जरिए दिया जा रहा है। शाम 7.30 बजे प्रेस क्लब में यह सुरीला कार्यक्रम पंकज उधास को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

एक दशक बाद भी रेलमार्ग से नहीं जुड़े इंदौर खंडवा, महंगे सफर को मजबूर यात्री

सिटी चीफ इंदौर।

रेल लोक परिवहन का सबसे बेहतर, सस्ता और सुगम माध्यम है, लेकिन तंत्र की लापरवाही की वजह से एक दशक बीतने के बाद भी दो महत्वपूर्ण शहरों के बीच चल रहा कार्य पूरा नहीं हो सका है। इस वजह से लोगों को यात्रा के लिए खस्ताहाल सड़क मार्ग से सफर के लिए निर्भर होना पड़ रहा है, बल्कि ट्रेन के मुकाबले महंगी परिवहन सेवा का इस्तेमाल भी करना पड़ रहा है। मीटरगेज लाइन को ब्रॉडगेज में बदलने के लिए खंडवा का इंदौर से रेल संपर्क टूटे एक दशक बीत गया है। इस दौरान खंडवा से सनावद तक का ही कार्य पूरा हो पाया है। अब सनावद से महू तक का कार्य बाकी है। उसमें बड़े पहाड़ और नर्मदा जैसी नदी के क्षेत्र में निर्माण की बड़ी बाधाएं हैं। इनसे पार पाकर कार्य पूरा करने में वर्षों लग जाएंगे। बता दें कि मीटरगेज लाइन पर खंडवा से इंदौर का 138 साल पुराना संपर्क छह फरवरी 2015 को टूटा था। उस दिन अंतिम 52974 अकोला-इंदौर पैसेंजर ट्रेन पटरी पर दौड़ी थी। महू से इंदौर के बीच गेज

परिवर्तन (कन्वर्जन) कार्य के चलते ट्रैक को बंद किया गया था। दावा किया गया था कि गेज कन्वर्जन के बाद 2022 में इंदौर से वाया खंडवा होकर मुंबई के लिए ट्रेनें चलना शुरू हो जाएंगी। अब अधिकारी दावा कर रहे हैं कि दो वर्ष में काम पूरा हो जाएगा। वर्ष 1996 में तत्कालीन रेल राज्यमंत्री सुरेश कलमाड़ी ने इंदौर-महू-खंडवा गेज कन्वर्जन के सर्वे की शुरुआत करवाई थी। महू-खंडवा गेज परिवर्तन प्रोजेक्ट को दो हिस्सों में पूरा किया जाएगा। खंडवा से सनावद तक मेमू ट्रेन चलने लगी है। वहीं महू-सनावद ब्रॉडगेज लाइन के नए अलाइनमेंट के अनुसार ट्रैक पातालपानी से डायवर्ट हो जाएगा, जो बढ़िया, बेका, कुलथाना, राजपुरा होते हुए चोरल पहुंचेगा। मुख्त्यारा बलवाड़ा के करीब छह किमी पहले लाइन को पुरानी मीटरगेज लाइन के साथ जोड़ा जाएगा। 71 किमी लंबे इस रेलखंड में छोटी-बड़ी 21 टनल बनाई जाएंगी। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण 36 मेजर ब्रिज, 76 माइनर ब्रिज, 12 अंडर ब्रिज, ओवर ब्रिज बनाएंगे। इस प्रोजेक्ट को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उज्जैन के महिदपुर में मिड डे मील खाने के बाद बिगड़ी 20 से ज्यादा बच्चों की तबीयत

सिटी चीफ उज्जैन।

उज्जैन जिले के महिदपुर में मिड डे मील खाने के बाद 20 से ज्यादा बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार कढ़ी चावल खाने के बाद बच्चों को उल्टी और चक्कर आने लगे। यह बात भी सामने आ रही है कि खाना वहीं एक शिक्षक की पत्नी ने बनाया था।

गजनीखेड़ी में महिला की तलवार मारकर हत्या, पति भी कमरे में घायल मिला, पुलिस का इस बात पर शक

सिटी चीफ उज्जैन।

भाटपचलाना थाना क्षेत्र के गजनीखेड़ी में एक महिला की तलवार मारकर हत्या कर दी। कमरे में पति भी घायल अवस्था में मिला है। मृतका की बेटी ने पुलिस को बताया कि कमरा अंदर से बंद था। रात दो बजे मम्मी-पापा के बीच विवाद की आवाज आ रही थी। करीब तीन बजे मम्मी की आवाज आई मार दिया, इसके बाद उसके पिता अंदर कमरे में घायल मिले थे, मां मृत अवस्था में मिली थी। महिला व उसके पति के बीच आए दिन विवाद होते रहते थे। मृतका का पति फिलहाल बेहोश है। देर रात एसपी प्रदीप शर्मा भी मौके पर पहुंच गए थे। टीआइ नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि भाटपचलाना के ग्राम गजनीखेड़ी से सूचना मिली थी कि गांव में रहने वाली कृष्णाबाई की उसके घर में घुसकर तलवार मारकर किसी ने हत्या कर दी है। वहीं उसका पति संतोष भी घायल अवस्था में कमरे में ही पड़ा हुआ है। इस पर एसडीओपी पुष्पा प्रजापति व भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा था। जिस कमरे में

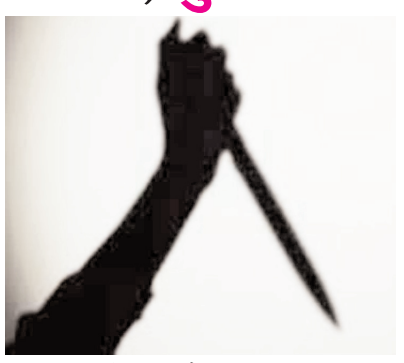

हत्या की गई थी उसके समीप ही दूसरे कमरे में मृतका की पुत्री विद्या उम्र 15 वर्ष, सास व बहन की पुत्री सो रही थी। पुलिस ने विद्या सहित तीनों से पूछताछ की थी। विद्या ने बताया कि उसके माता-पिता के बीच आए दिन विवाद होते रहते थे। बुधवार रात को भी करीब दो बजे मम्मी-पापा के कमरे से झगड़ने की आवाज आ रही थी। रात करीब तीन बजे मम्मी की चीखने की आवाज आई। वहां गए तो कमरे में कृष्णाबाई मृत अवस्था में मिली थी। वहीं खून से सूनी तलवार भी पड़ी थी। इसके अलावा संतोष भी घायल अवस्था में ही पड़ा था। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। जहां वह फिलहाल बेहोश बताया जा रहा है। रात को ही एसपी पहुंचे घटना स्थल महिला की सनसनीखेज हत्या की सूचना मिलने पर एसपी प्रदीप शर्मा, एएसपी नीतेश भार्गव मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घायल संतोष अपने ससुराल गजनीखेड़ी में पत्नी, बच्चों व मां के साथ रहता था। वह मूल रूप से ग्राम झारसंदला रतलाम का रहने वाला है। मृतका की बच्ची, सास व भांजी से पूछताछ की जा रही है। वारदात के दौरान मृतका का पुत्र उम्र करीब 9 वर्ष मौजूद नहीं था। वह गांव में ही किसी रिश्तेदार के यहां सो रहा था। घायल से पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल आशंका जताई जा रही है कि घायल ने ही पारिवारिक विवाद के कारण पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और खुद भी घायल हो गया।

79 हजार पौधे लगाने में भ्रष्टाचार, लोकायुक्त ने एसडीओ-रेंजर को दिए नोटिस

सिटी चीफ इंदौर।

चोरल फील्ड फायरिंग के बदले कम्पेल में वन विभाग की जमीन पर हुए पौधारोपण को लेकर भ्रष्टाचार सामने आया है। यहां 79 हजार पौधे लहलहाने थे, लेकिन जमीन पर सिर्फ पांच से लेकर आठ फीट ऊंची घास नजर आती है। कागजों में दो करोड़ रुपये खर्च हो चुके है।इन सबकी शिकायत लोकायुक्त तक पहुंच गई है। अब इंदौर रेंज में पौधारोपण से जुड़े कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया है। लोकायुक्त ने अभी तीन लोगों को नोटिस जारी किया है। इस महीने के अंतिम सप्ताह में वन अफसरों को बयान देने जाना है। वैसे यह पौधारोपण सीसीएफ इंदौर ने गोद ले रखा है। दौरा किया तो सामने आई गड़बड़ी कंपेल में 79 हेक्टेयर वन क्षेत्र कक्ष क्रमांक 227 में 2021-22 के दौरान पौधे लगाए। यह पौधा रोपण स्थल

तत्कालीन सीसीएफ एचएस मोहंता ने गोद लिया। दस्तावेजों में यहां दूसरे साल 8 लाख 30 हजार 591 और निदाई-गुड़ाई पर 78 हजार 750 रुपये खर्च किए। लगभग 79 हजार पौधे रोपे गए थे, लेकिन कुछ पौधे नष्ट हो चुके हैं। दो साल में 2 करोड़ 34 लाख रुपये पौधे लगाने से लेकर खाद-मिट्टी, गड्ढे खोदने पर खर्च किए गए। दिसंबर 2023 में सीसीएफ नरेंद्र सनोडिया ने दौरा किया तो कंपेल में पौधों की जगह घास नजर आई। इस पर सीसीएफ काफी नाराज हुए। मामले में डीएफओ ने इंदौर रेंजर, डिप्टी रेंजर, बीट गार्ड को नोटिस दिया। बाद में घास की कटाई करवाई गई। मामला यहीं नहीं थमा। शिकायत पीसीसीएफ महेंद्र सिंह धाकड़ से हुई। पौधारोपण में भ्रष्टाचार पर गंभीरता दिखाते हुए सीसीएफ उज्जैन को जांच सौंपी। मगर महीने भर बीतने के बावजूद उन्होंने जांच नहीं की। शिकायतकर्ता शंकर नाइक ने लोकायुक्त में सारे प्रमाण सौंप दिए। अफसरों ने दबाया मामला तत्कालीन सीसीएफ मोहंता ने पौधारोपण को गोद लिया। इसके बाद समय-समय पर तत्कालीन डीएफओ नरेंद्र पंडवा भी दौरा करते रहे। मगर उन्होंने इस बारे में कभी वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी नहीं दी। वैसे 2021-22 में पौधे लगाने की जिम्मेदारी डिप्टी रेंजर जगदीश मालवीय को दी। इंदौर रेंजर जयवीर सिंह और एसडीओ केके निनामा में निरीक्षण भी किया। बावजूद इसके व्यय शाखा के क्लर्क यतेंद्र शर्मा ने बिल-वाउचर पास कर दिए। पूरे मामले को अफसरों ने डेढ़ साल तक दबाए रखा। लोकायुक्त इन दिनों प्रमाणों की जांच करने में लगी है। सूत्रों के मुताबिक बिल फर्जी बनाए है।

चुनाव के लिए भाजपा ने बनाई अधिवक्ताओं की फौज

समस्याएं सुलझाने के साथ, विरोधी दल की बढ़ाएंगे मुश्किलें

सिटी चीफ भोपाल।

आजादी के पहले से देश की राजनीति में अधिवक्ता हमेशा ही प्रमुख भूमिका में रहे हैं। आजादी के बाद भी उनकी भूमिका बरकरार रही और आज भी है। यही वजह है कि इस बार भी भाजपा और कांग्रेस दोनों ने लोकसभा चुनाव के दौरान आने वाले कानूनी पेंच को सुलझाने के लिए अधिवक्ताओं की फौज अभी से तैनात कर दी है। दोनों ही पार्टियों ने बकायदा विधि प्रकोष्ठ गठित कर बहुत पहले से अधिवक्ताओं की नियुक्ति कर दी है अधिवक्ताओं से आचार संहिता लागू होने से लेकर अंतिम परिणाम घोषित होने तक मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। भाजपा ने तो अधिवक्ताओं के प्रशिक्षण के कई दौर हो भी चुके हैं। विधि प्रकोष्ठ में शामिल वकील सिर्फ चुनाव के दौरान पार्टी के प्रत्याशियों के सामने आने वाली कानूनी मुश्किलों का रास्ता ही नहीं खोजेंगे, बल्कि वे यह सुझाव भी देंगे कि प्रतिद्वंद्वियों की राह में मुश्किलें कैसे बढ़ाई जा सकती हैं? वे इस बात पर भी नजर रखेंगे कि प्रतिद्वंद्वी पार्टी के प्रत्याशी कहां कानूनी चूक कर रहे हैं और कैसे उन्हें कानूनी पेंच में फंसाया जा सकता है। सामने वाले पार्टी या प्रतिद्वंद्वी के चूक करते ही

अधिवक्ता सामने वाले प्रत्याशी को घेरने के लिए रणनीति भी तैयार करेंगे। पंपलेट्स, पोस्टर, बैनर सब पर रखेंगे नजर अधिवक्ताओं की फौज का काम आचार संहिता लागू होते ही शुरू हो जाएगा। प्रत्याशियों के पंपलेट्स, पोस्टर इत्यादि भी उनके अनुमोदन के बाद ही प्रकाशित करवाए जाएंगे। ऐसा इसलिए ताकि प्रकाशित करवाई जा रही सामग्री में कोई ऐसी बात न छप जाए जो पार्टी या प्रत्याशी के लिए कानूनी उलझन खड़ी करे। ये अधिवक्ता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के भाषणों का भी विश्लेषण करेंगे। विधि प्रकोष्ठ में अधिवक्ताओं की नियुक्ति करने में भाजपा ने कांग्रेस से बाजी मार ली है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज द्विवेदी के अनुसार पार्टी ने विधि प्रकोष्ठ के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक संयोजक और दो सह संयोजकों की नियुक्ति की है। इसके अलावा अलग-अलग पदों पर वकीलों की नियुक्ति भी की गई है इन सभी अधिवक्ताओं को आचार संहिता उल्लंघन के मामले, पुलिस और प्रशासन से जुड़े मामलों में मैदान में उतारना है। जिला स्तर पर एक मीडिया इंचार्ज और पांच सदस्यीय समिति अलग से बनाई गई है। संभाग स्तर पर भी वकीलों की एक टीम बनाई गई है।

पार्टियों के विधि प्रकोष्ठों ने बनाए वार रूम

भाजपा, कांग्रेस ने विधि प्रकोष्ठ गठित करने के साथ-साथ वार रूम भी बनाए हैं। भाजपा के इंदौर कार्यालय में विशेष वार रूम तैयार किया गया है। विधि प्रकोष्ठ में शामिल अधिवक्ता अनुमतियां लेने, निर्वाचन आयोग से समन्वय स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करेंगे। ये जिम्मेदारी होगी अधिवक्ताओं के पास आचार संहिता के दौरान होने वाली शिकायतों में पैरवी करना और नोटिस का जवाब देना। दूसरे पार्टी के प्रत्याशी द्वारा आचार संहिता के किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर तुरंत नोटिस की कार्रवाई करना, निर्वाचन आयोग के समक्ष उपस्थित होकर प्रकरण दर्ज कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना। इंटरनेट मीडिया पर सतत निगरानी, किसी भी तरह का उल्लंघन होने पर तुरंत कार्रवाई करना। प्रत्याशियों को फार्म भरने की प्रक्रिया बताना और पार्टी के प्रत्याशी का सफल नामांकन जमा कराना। प्रत्याशियों का आपराधिक रिकार्ड एकत्रित करना और चुनाव आयोग को सौंपना, पार्टी की वेबसाइट पर डालना। पार्टी द्वारा तैयार विज्ञापन, प्रचार सामग्री इत्यादि की बारीकी से जांच करना और इसके कानूनी पहलू पर सुझाव देना, आवश्यकतानुसार संशोधन करवाना।

लालघाटी पर लगेगी अटल बिहारी की प्रतिमा

नगर निगम ने गन्ना चरखी का किराया 10 प्रतिशत बढ़ाया

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में बीआरटीएस का आरएएल तिराहे से मिसरोद तक का बाकी हिस्सा भी तोड़ा जाएगा। कारिडोर की डेडिकेटेड लेन की जगह मिक्स लेन बनाई जाएगी। वहीं लगभग छह किलोमीटर कारिडोर सेक्शन तोड़ने और मिक्स लेन बनाने में 11 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लालघाटी चौराहा के पास पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इन प्रस्तावों को गुरुवार को हुई महापौर परिषद (एमआइसी) की बैठक में मंजूरी दी गई। एमआइसी में लाए गए कुल नौ प्रस्ताव मंजूर किए गए। बता दें कि लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लगने वाली है। लिहाजा इससे पहले एमआइसी की बैठक बुलाई गई, ताकि विकास कार्य न अटकें। जानकारी के अनुसार बैठक में एमआइसी ने गर्मी में लगने वाली अस्थायी गन्ना चरखी का किराया 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। पिछले वर्ष 234 रुपये प्रतिदिन किराया था, जिसे बढ़ाकर 257 रुपये किया गया है। वहीं कोकता ट्रांसपोर्ट नगर के 23 और बागमुगालिया प्रोजेक्ट के दो आवासों की फाइल एमआइसी में रखी गई। इसके अलावा नीलबड़

दशहरा मैदान के पास ए, बी ब्लाक के काम पूरे करने के लिए मेसर्स वरुण बिल्डर्स एंड कंसल्टेंट को 20 दिसंबर 2024 का एक्सटेंशन दिया गया। इसकी डेडलाइन 21 दिसंबर 2023 थी, लेकिन काम अब तक पूरा नहीं हुआ। इसी तरह बैरागढ़ ब्लाक ए तैयार करने वाली फर्म मेसर्स टेक्नोक्राफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर्स को भी एक अगस्त 2024 का एक्सटेंशन दिया गया। इसकी डेडलाइन भी दो अगस्त 2023 को खत्म हो चुकी है। कोकता स्थित महामृत्युंजय गौ-सेवा सदन की गौशाला की अवधि भी एमआइसी ने बढ़ा दी है। इसे 31 अगस्त 2024 तक बढ़ाया गया है। इस गौशाला में नगर निगम के कांजी हाऊस से पशुओं को ट्रांसफर कर भेजा जाता है। जोन आठ की समिति बैठक में हुए कई अहम निर्णय नगर निगम के जोन आठ में समिति की बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की मौजूदगी में अहम निर्णय लिए गए। इनमें जोन की सभी मुख्य सड़कों पर (सेंट्रल वर्ज और फुटपाथ) पर अवैध बोर्ड को हटाने, पेयजल संकट से निपटने योजना बनाने, आवारा श्वान को वैक्सीन लगाने, नसबंदी और उपचार करने, सीवेज की समस्या को निपटाने, हर वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाने और नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

18 लाख के टाइल्स लेकर भूखंड देने से मुकरा, प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में कोहेफिजा थाना पुलिस ने एक टाइल्स कारोबारी की शिकायत पर उसके ग्राहक के खिलाफ ठगी, अमानत में खयानत करने का केस दर्ज किया है। फरियादी का कहना है कि आरोपित ने उसे माल के ऐवज में भूखंड देने का वादा किया था, लेकिन न तो रकम दी और न ही भूखंड दिया। फरियादी ने जब आरोपित पर रकम देने का दबाव बनाया तो उसने टरका दिया। आखिरकार परेशान होकर फरियादी ने पुलिस थाने में गुहार लगाई। इस मामले में अभी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई है। कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक पंचवटी कालोनी निवासी 39 वर्षीय पीयूष श्रीवास्तव टाइल्स का कारोबार करते हैं। उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया कि कारोबार

के माध्यम से जनवरी 2023 में उनका परिचय विवेक कुमार सोनी से हुआ था। विवेक ने कहा था कि कोलार रोड पर उसका एक भूखंड है। उसके बदले में वह टाइल्स खरीदना चाहता है। भूखंड पसंद आने पर वह विवेक को टाइल्स देने को राजी हो गए थे। भूखंड के बदले में विवेक ने उनसे 18 लाख रुपये के टाइल्स भी खरीद लिए थे। उसके बाद जब उन्होंने विवेक से भूखंड की रजिस्ट्री करने के लिए बोला तो वह गोलमोल जवाब देने लगा। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने विवेक सोनी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

मध्य प्रदेश सरकार ने देर रात की व्यापक प्रशासनिक सर्जरी सिंगरौली, शहडोल, गुना और पन्ना के कलेक्टर बदले

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव की घोषणा किसी भी समय की जा सकती है। इसे देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने देर रात व्यापक प्रशासनिक सर्जरी की। मप्र सरकार ने आधी रात को भारतीय प्रशासनिक सेवा और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादला आदेश जारी कर दिए। 37 आईएएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी हुए हैं। इसके साथ ही भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2023 बैच के 9 परिवीक्षाधीन अधिकारियों को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रथम चरण के प्रशिक्षण की समाप्ति पर राज्य में प्रशिक्षण के लिए सहायक कलेक्टर के रूप में पदस्थ किया गया है। हर्षिता सिंह की जगह शविम वर्मा इंदौर नगर निगम आयुक्त बनाए गए हैं जबकि फ्रैंक नोबेल की जगह हरेंद्र नारायण भोपाल नगर निगम आयुक्त बनाए गए हैं। संदीप सोनी को फिर महाकाल मंदिर प्रशासक बना दिया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादले में संजय कुमार शुक्ला को महिला और बाल विकास विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है, जबकि मुकेश चंद गुप्ता अब राज्यपाल के प्रमुख सचिव होंगे। विवेक कुमार पोरवाल लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रमुख सचिव तथा स्वास्थ्य सेवाएं आयुक्त होंगे। नवनीत कोठारी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग विभाग का सचिव बनाया गया है। पी नरहरि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव और धनंजय सिंह भदौरिया प्रबंध संचालक कृषि विपणन बोर्ड सह आयुक्त मंडी बोर्ड होंगे। बाबूसिंह जागोद को शहडोल संभाग का कमिश्नर बनाया गया है। मालसिंह भयड़िया अब प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड होंगे। श्रीमन शुक्ल को योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग का सचिव और शिल्पा गुप्ता को आयुक्त लोक शिक्षण बनाया गया है। वंदना वैद्य अब आदिवासी विकास विभाग की अपर आयुक्त होंगी। अनुभा श्रीवास्तव को विकअ सह प्रमुख राजस्व आयुक्त बनाया गया है। शशिभूषण सिंह संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण होंगे। सतेंद्र सिंह को गुना का कलेक्टर बनाया गया है।छोटे सिंह राजस्व मंडल ग्वालियर के सचिव होंगे जबकि सुरेश कुमार पन्ना के कलेक्टर बनाए गए हैं। पशुपालन और डेयरी विभाग के अपर सचिव हरजिंदर सिंह और राजस्व विभाग के अपर सचिव संजय कुमार होंगे। मनोज पुष्प पंचायत राज विभाग के संचालक और रोहित सिंह वित्त विभाग के उप सचिव होंगे। हर्षिका सिंह को कौशल विकास विभाग की संचालक बनाया गया है। तरुण भटनागर को शहडोल कलेक्टर और अरुण कुमार परमार को नर्मदा घाटी विकास विभाग का उप सचिव बनाया गया है। अमनबीर सिंह बैंस ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक होंगे। फ्रेंक नोबेल को उपसचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग बनाया गया है। शविम वर्मा इंदौर नगर निगम आयुक्त होंगे।चंद्रशेखर शुक्ला को सिंगरौली का कलेक्टर बनाया गया है। हर्षल पंचोली और हिमांशु चंद्र भोपाल के अपर कलेक्टर बनाए गए हैं। हरेंद्र नारायण को भोपाल निगम आयुक्त के साथ मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड भोपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जगदीश कुमार गोमे जिला पंचायत भिंड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाए गए हैं जबकि अंकिता धाकरे को सामाजिक न्याय विभाग की उप सचिव बनाया गया है। शेर सिंह मीना सतना निगम आयुक्त होंगे। अक्षय कुमार तेम्रवाल नगरीय प्रशासन विकास अपर आयुक्त बनाए गए हैं। काजल जावला बड़वानी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी होंगी। आकाश सिंह को जिला पंचायत खरगोन का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है।

भोजपुर महादेव मंदिर समेत प्रदेश के छह दर्शनीय स्थल यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल

सीएम मोहन यादव ने जताया हर्ष

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश को जल्द ही छह नए वैश्विक महत्व के विरासत स्थल मिल सकते हैं। दरअसल अब यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल में शामिल होने के लिए राज्य के छह पर्यटन स्थलों की दावेदारी मजबूत हो गई है। इन छह दर्शनीय स्थलों के नाम यूनेस्को ने अपनी अस्थायी सूची में शामिल किए हैं। ये दर्शनीय स्थल हैं ग्वालियर किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजेश्वर महादेव मंदिर, भोजपुर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा, बुरहानपुर और रामनगर, मंडला का गोंड स्मारक। इन दर्शनीय स्थलों को गुरुवार 14 मार्च को यूनेस्को के विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा भारत की अस्थायी सूची में जोड़ा गया है।

सीएम ने जताई खुशी

इसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने हर्ष जाहिर किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी और कहा UNESCO के विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा भारत की अस्थाई सूची में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध मध्यप्रदेश की 6 संपत्तियों का जोड़ा जाना, हमारे लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम में देशभर के लिए आदर्श बना मध्य प्रदेश

सिटी चीफ भोपाल।

मुख्य रूप से आदिवासियों में पाई जाने वाली सिकल सेल एनीमिया बीमारी के उन्मूलन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश कई मामलों में देशभर के लिए आदर्श बना है। यहां किए गए प्रयोगों को दूसरे राज्य भी अपना चुके हैं, इनमें जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड भी शामिल है। शादी के पहले लड़का और लड़की का कार्ड मिलान कर यह पता किया जा सकता है कि संतान सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित तो नहीं होगी। यहां बनाए गए पोर्टल का उपयोग भी अब पूरे देश में हो रहा है।मध्य प्रदेश में अभी तक 29 लाख लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है, जिनमें 12 हजार पाजिटिव और 50 हजार से अधिक वाहक मिल चुके हैं। इतनी बड़े स्तर पर स्क्रीनिंग के मामले में भी मप्र देश में पहले नंबर पर है। तीन वर्ष के भीतर 40 वर्ष से कम उम्र के सभी लोग, गर्भवती महिलाएं और बीमारी से पीड़ित परिवार के सदस्यों का परीक्षण किया जाना है। इनकी संख्या लगभग सवा करोड़ है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया का पता लगाने के लिए बड़े स्तर

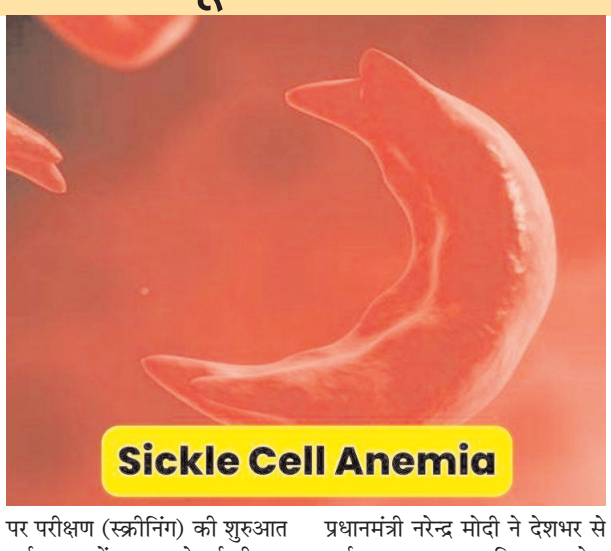

पर परीक्षण (स्क्रीनिंग) की शुरुआत वर्ष 2016 में गुजरात से हुई थी, पर बाद में मप्र से सबसे आगे निकल गया। यहां प्रयोग के तौर झाबुआ और आलीराजपुर के 12 ब्लाकों में 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों और गर्भवती महिलाओं की जांच वर्ष 2022 में की गई थी। दोनों जिलों में सवा नौ लाख लोगों की जांच की गई थी, जिसमें 1800 लोग बीमारी से प्रभावित पाए गए थे। इसके बाद राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने इस बीमारी के उन्मूलन के लिए प्रयास शुरू किए। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर से वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का संकल्प लिया। उन्होंने एक जुलाई 2023 को मध्य प्रदेश के शहडोल से मिशन का शुभारंभ किया था। अब आदिवासी बहुल सभी राज्य इसमें जुट गए हैं।

अभी तक प्रदेश में यह हुआ- बीमारी से पीड़ित लोगों को दिव्यांग प्रमाण पत्र भी दिया जा रहा है, जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल सके। पाजिटिव और वाहकों को जेनेटिक कार्ड दिए गए हैं, जिससे वह शादी के पहले मिलान कर यह देख लें संतान को तो यह बीमारी होने का जोखिम नहीं रहेगा। उपचार के लिए 22 जिलों के जिला अस्पताल में डे केयर सेंटर बनाए गए हैं।

यह करने की तैयारी

अनूपपुर जिले में स्थित धार्मिक और पर्यटन स्थल अमरकंटक में सिकल सेल एनीमिया पर शोध के लिए उत्कृष्टता संस्थान (सेंटर आफ एक्सीलेंस) बनाया जाएगा। यह इस बीमारी पर शोध के लिए देश का सबसे बड़ा संस्थान होगा। इसके अतिरिक्त एम्स भोपाल में ऐसा ही एक केंद्र शुरू किया जाएगा। बीमारी के उपचार के लिए भी एम्स भोपाल में व्यवस्था की जा रही है।

क्या है सिकल सेल एनीमिया

यह आनुवंशिक रक्त रोग है, जो रोगी के पूरे जीवन को प्रभावित करता है। यह न केवल एनीमिया का कारण बनता है बल्कि दर्द, विकास में कमी और फेफड़े, हृदय, गुर्दे, आंखों, हड्डियों और मस्तिष्क जैसे कई अंगों को प्रभावित करती है। इसमें लाल रक्त कोशिकाओं का आकार टेढ़ा हो जाता है, जिससे रक्त नहीं बन पाता। इस रोग को जनजातीय स्वास्थ्य की 10 विशेष समस्याओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

वर्ष 2047 तक उन्मूलन की रणनीति- प्रथाओं में बदलाव और स्क्रीनिंग के माध्यम से बीमारी की जल्दी पहचान करना। बीमारी से पीड़ितों या वाहकों के बीच वैवाहिक संबंध रोकना जिससे संतान पीड़ित न हो। इस बीमारी से पीड़ित रोगियों की अन्य बीमारियों का उपचार। जांच सुविधाओं का विकास एवं विस्तार, जिससे बीमारी का पता जल्दी चल सके। रोगियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना। आदिवासी क्षेत्र के विद्यालयों में विद्यार्थियों से बातचीत एवं परामर्श राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के माध्यम से भी बीमारी के प्रति जागरुकता लाने का प्रयास। यहां शुरू है उन्मूलन मिशन

मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, असम, उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार और उत्तराखंड।

मध्य प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया 16 मार्च से शुरू होगी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में 16 मार्च से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय(डीपीआइ)ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए है। मध्य प्रदेश के 275 सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि छठवीं एवं नौवीं में कैंपस विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रवेश पूर्ण होने के बाद ही रिक्त स्थानों का आकलन एवं अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में कार्यरत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ के बच्चों को उसी विद्यालय में सीधे प्रवेश(लाटरी सिस्टम से न दिए जाकर सीधे प्रवेश) दिए जाने का प्रविधान किया गया है। 28 मार्च को जारी होगी प्रवेश सूची 16 मार्च से विद्यालय की प्रारंभिक कक्षा केजी-1/ पहली में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।स्कूलों में आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया 16 से 23 मार्च के बीच होगी। 28 मार्च को प्रवेश सूची जारी की जाएगी। छह अप्रैल तक फार्म भरवाना, अभिलेख प्राप्त कराना एवं शुल्क लागू हो, तो उसे प्राप्त किया जाएगा।

संपादकीय

कितना व्यवहारिक है एक राष्ट्र एक चुनाव का विचार?

'एक राष्ट्र एक चुनाव'' की संभावनाओं और तौर तरीकों पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति सक्रीय रही है। समिति समाज के विभिन्न वर्गों, संविधान और कानून विशेषज्ञों, निर्वाचन आयोग तथा शासन प्रशासन में बैठे लोगों के साथ ही असली स्टेक हाल्डर्स राजनीतिक दलों से निरन्तर विमर्श कर रही है। इस विचार के समर्थकों और विरोधियों के अपने-अपने तर्क हैं। इस संदर्भ में 1951-52 में हुए भारत के पहले आम चुनाव का उदाहरण भी देश के समक्ष है जिसमें न केवल लोकसभा बल्कि राज्य की विधानसभाओं, विधान परिषदों, राज्यसभा और यहां तक कि उसी दौरान राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के चुनाव भी सम्पन्न कराए गए थे। जीवन रेड्डी की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने 1999 में अपनी 117 वीं रिपोर्ट में तथा विभिन्न संसदीय समितियों ने देश में एक साथ चुनाव कराने की सिफारिशें की थी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या इस विचार को धरातल पर उतारना आज की परिस्थिति में इतना आसान है? यह सही है कि वर्ष 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए। लेकिन आज परिस्थितियां बिल्कुल वैसी नहीं हैं। एक साथ चुनाव की व्यवहार्यता पर सवाल उठ रहे हैं कि यदि एक साथ चुनाव होते हैं तो पहले चुनाव में उन विधानसभाओं का क्या होगा जिनका निर्धारित कार्यकाल या तो चुनाव कराने की प्रस्तावित तिथि से पहले या बाद में समाप्त होता है। यह भी सवाल है कि क्या लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल तय होना चाहिए? यदि कार्यकाल के बीच में उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी तो क्या होगा? यदि सत्तारूढ़ दल या गठबंधन लोकसभा या विधानसभाओं में कार्यकाल के बीच बहुमत खो देता है तो क्या होगा? चूंकि परिस्थितियां बदलती रहती हैं और एक धारणा को पकड़कर बैठे रहने से जड़ता आती है, इसलिए नई सभावनाओं की तलाश के रास्ते सदैव खुले रहने ही चाहिए। लोकसभा से लेकर स्थानीय निकायों तक सभी चुनावों पर लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसे मतदान की अवधि घटाकर 3 से 5 लाख करोड़ रुपये तक कम किया जा सकता है। राव के अनुसार, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव पर 1.20 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, वहीं सभी विधानसभा चुनाव एक साथ होने पर 3 लाख करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। जाहिर है जिस तरह से आंकड़े हैं एक साथ चुनाव से धन की बचत हो सकती है, क्योंकि सुरक्षा, रसद और प्रशासन से संबंधित खर्च कम हो जाएंगे। एक साथ चुनाव के पक्ष में यह भी तर्क है कि बार-बार चुनाव सरकारी मशीनरी के सामान्य कामकाज को बाधित करते हैं। एक साथ चुनाव शासन के लिए अधिक स्थिर वातावरण प्रदान करते हैं, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधियों को लगातार चुनाव प्रचार की स्थिति में रहने के बजाय अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलता है। इससे मतदाताओं में अधिक उत्साह हो सकता है क्योंकि उन्हें कई बार के बजाय कुछ वर्षों में केवल एक बार चुनाव में जाने की आवश्यकता होगी। इससे चुनाव प्रचार की अवधि कम हो सकती है, जो भारत में काफी लंबी होती है। ऐसा भी मत है कि चुनावों में धन और बाहुबल के प्रभाव को सीमित किया जा सकता है। तर्क यह भी है कि इससे बेहतर नीति निरंतरता और दीर्घकालिक योजना की संभावना है, क्योंकि सरकारों के पास अधिक स्थिर कार्यकाल होंगे। बार-बार चुनावों के कारण चुनाव वाले राज्य या चुनाव वाले क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है जिस कारण सरकारों के संपूर्ण विकास कार्यक्रम और गतिविधियां रुक जाती हैं। राष्ट्रव्यापी चर्चाओं के बावजूद 1967 के बाद पटरी से उतरी हुई एक साथ चुनाव की गाड़ी पुन: पटरी पर नहीं लौट सकी। स्वयं भारत निर्वाचन आयोग ने महसूस किया कि एक साथ चुनाव कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की बड़े पैमाने पर खरीद की आवश्यकता होगी। एक साथ चुनाव कराने के लिए आयोग को उम्मीद है कि ईवीएम और वीवीपैट की खरीद के लिए आज की दर पर कुल 9284.15 करोड़ रुपये की जरूरत होगी। मशीनों को हर पंद्रह साल में बदलने की भी आवश्यकता होगी जिस पर फिर से व्यय करना होगा। इसके अलावा, इन मशीनों की भंडारण लागत में वृद्धि होगी। देखा जाए तो एक साथ चुनाव लागू करने के लिए सबसे बड़ी अड़चन संवैधानिक है जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का निर्धारित कार्यकाल सबसे बड़ा बाधक है, इसलिए सबसे पहले मौजूदा प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता होगी। एक साथ चुनाव के लिए विधानसभाओं के कार्यकाल लोकसभा के कार्काल के अनुरूप बनाने होंगे और इसके लिए किसी का कार्यकाल घटाना और किसी का बढ़ाना पड़ सकता है जो कि संविधान संशोधन के बिना संभव नहीं है। आम चुनावों के दौरान भारत की चुनावी मशीनरी पर भारी बोझ पड़ सकता है। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था, मतदान केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और कर्मियों सहित बड़े पैमाने पर प्रयास की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय स्तर पर इसका समन्वय करना भी एक कठिन कार्य है। भारत एक विविधतापूर्ण देश है, जिसके विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में विशिष्ट सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिस्थितियां हैं। एक साथ चुनाव कराने में या तो राष्ट्रीय मुद्दे और या फिर क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। क्षेत्रीय दलों का जन्म ही विकास की क्षेत्रीय आवश्यकताओं और क्षेत्रीय अस्मिता के लिए होता है, इसलिये क्षेत्रीय दलों को चुनावों में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो सकता है। एक साथ चुनाव के विचार को साकार करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने भी विभिन्न घटनाओं को ध्यान में रखते हुए उपाय सुझाए थे कि लोकसभा का कार्यकाल आम तौर पर एक विशेष तारीख को शुरू और समाप्त होता है (न कि उस तारीख को जब वह अपनी पहली बैठक की तारीख से पांच साल पूरे करती है) इसलिए सभी राज्य विधान सभाओं का कार्यकाल भी सामान्यत: उसी दिन समाप्त होना चाहिए जिस दिन लोकसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा हो। इसके लिए मौजूदा विधान सभाओं का कार्यकाल या तो पांच साल से अधिक बढ़ाना होगा या कम करना होगा ताकि लोकसभा चुनाव के साथ-साथ नए चुनाव भी कराए जा सकें।

जलवायु परिवर्तनः साफ दिख रहा है असर
चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति में वृद्धि

अब दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन भीषण असर दिखने लगा है। यह वैश्विक स्तर पर बड़ी चर्चा का विषय है, क्योंकि पूरी दुनिया में अब सब कुछ बदल रहा है और आशंका है कि आने वाले समय में यह कई तरह के संकटों को जन्म देगा। अब यह महज वैश्विक मुद्दा नहीं रहा, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी इसके बड़े असर दिखाई दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, अगर अपने देश में ही देख लें, तो 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, देश के सभी हिस्सों में किसी न किसी रूप में चरम मौसमी घटनाएं हुई हैं और लगभग हर राज्य इनकी चपेट में आया है। भारी बारिश, बादल फटना, आकाशीय बिजली गिरना, सूखा और शीत लहर जैसी चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति में वृद्धि हुई है। यही नहीं, अपने देश में करीब 3,287 नागरिकों की मौतें असामान्य मौसम के कारण हुईं। इसके अलावा, 1,24,000 जानवरों को भी किसी न किसी मौसमी घटना का शिकार होना पड़ा। देश में करीब 20 लाख हेक्टेयर भूमि सूखे या अतिवृष्टि के कारण बाढ़ की चपेट में आई। पिछले वर्ष हिमालयी राज्य उत्तराखंड में मौसम की घटनाओं के कारण हालात काफी बिगड़ गए। उत्तराखंड में करीब 150 दिन ऐसे निकले, जब किसी न किसी बुरी स्थिति का न सामना करना पड़ा हो। ऐसे ही मध्य प्रदेश में 141 दिन और उत्तर प्रदेश एवं केरल में 119 दिन खराब थे। मौसम की इस असामान्यता का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पूरे देश में जून और सितंबर के बीच करीब 123 दिन ऐसे रहे, जिन्हें असामान्य कहा जा सकता है। पर हम अब भी इन आंकड़ों से यह नहीं सीख पाए हैं कि हमारे चारों तरफ की परिस्थितियां बिगड़ चुकी हैं और आने वाले समय में हमें और भी घातक दुष्परिणामों का सामना करना होगा। पूरे देश में करीब आठ राज्य ऐसे रहे, जहां 100 से ज्यादा असामान्य घटनाएं हुईं और 208 दिनों में भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। इतना ही नहीं, बिजली और तूफान की घटनाएं 202 दिन और 50 दिन शीत लहर, 29 दिन बादल फटने, नौ दिन बर्फबारी और पांच दिन चक्रवात की घटनाएं देखने को मिलीं। इन घटनाओं से यह साफ हो गया है कि जलवायु परिवर्तन का घातक असर अब स्पष्ट दिखने लगा है। वर्ष 2024 में जनवरी से ही मौसम में वह सामान्यता नहीं दिख रही है, जो अक्सर होती थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि लगातार नौ महीनों से तापक्रम वह नहीं रहा, जो पिछले दशकों में था। मतलब औसतन तापक्रम में वृद्धि देखी गई। वर्ष 2023 में जुलाई को सबसे गर्म महीना बताया गया था, लेकिन आशंका है कि इस वर्ष भी दुनिया को गर्मी के बड़े संकटों का सामना करना पड़ेगा। वैसे वैज्ञानिकों का मानना है कि अल नीनो जून-जुलाई तक शांत हो जाएगा। लेकिन उसके तत्काल बाद अल नीना दूसरी तरह की मौसमी विषमताओं को खड़ा करेगा, जिसमें शीतकालीन स्थितियां और भी गंभीर होंगी। और यह सब सिर्फ अपने ही देश में नहीं, बल्कि सारी दुनिया में होगा। जलवायु परिवर्तन के चलते पूरी दुनिया में इस बार वसंत समय से पहले ही आ गया। समय से पहले ही गर्मी ने दस्तक दे दी। जापान और मैक्सिको में समय से पहले ही फूल खिल गए। यूरोप में बर्फ तेजी से पिघलने लगी। टेक्सास, जहां अत्यधिक गर्मी पड़ती है, वहां अभी से ही तापमान काफी बढ़ गया है। ये आंकड़े बड़े डरावने हैं, अगर हम इन्हें गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाले समय में शायद हवा-मिट्टी-पानी की कमी तो झेलेंगे ही, हमारी सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। अमेरिका के नेशनल ओशनिक ऐंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने पर्यावरण के शुरुआती रुझानों के बारे में बताया कि आंकड़ों के लक्षण ठीक नहीं दिखाई देते। जल्दी ही यह संस्थान एक रिपोर्ट पेश करेगा, जिसमें दुनिया के पर्यावरणीय हालात के बारे में बताया जाएगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि 2024 के मध्य तक अल नीनो खत्म होने से थोड़ी राहत मिलेगी। पर पुराने अनुभव बताते हैं कि जब सब कुछ भटक जाता है, तो सटीक स्थिति का पता नहीं चलता। अपने देश में पश्चिमी विक्षोभ ही आगे सरक गया। जो वर्षा दिसंबर में होनी थी, वह मार्च में हो रही है।

अब तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माना जाने लगा कि 2024 सबसे गर्म होगा, और यह अब तक के पांच सबसे गर्म वर्षों में शामिल हो जाएगा। इस बात की 99 फीसदी आशंका है कि हम आने वाले समय में बहुत ज्यादा गर्मी झेलेंगे। हमने पिछले दो-तीन दशकों से इसी तरह का रुझान देखा है और इसमें कोई सुधार नहीं दिखा। हमने ऐसा कुछ नहीं किया, जो आने वाले समय में हमें इससे राहत दे सके। सबसे बड़ी बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को देखने के बावजूद हमारी गतिविधियां, चाहे वह ढांचागत विकास हो और या फिर अन्य विकास गतिविधियां, उन पर कोई अंकुश नहीं लगा है, बल्कि वे बदस्तूर जारी हैं। खास तौर से निर्माण कार्य, आवाजाही, औद्योगिकीकरण आदि पर कोई नियंत्रण नहीं दिखता।

इसके अलावा, जिस तरह से ऊर्जा खपाती जीवन-शैली लगातार बढ़ती चली जा रही है, वह घातक सिद्ध होने वाली है। इसके अलावा, हिमालय की चोटियों पर अब एरोसोल का दबाव बढ़ गया है। इसरो द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हिमालय के ऊपरी इलाकों में जिस तरह से एरोसोल का घनत्व बढ़ता जा रहा है, इसकी बढ़ती ऑप्टिकल डेंसिटी स्थानीय तापक्रम को बढ़ाएगी, जिसका सीधा असर हिमखंडों पर पड़ेगा, जो झील के रूप में परिवर्तित हो जाएंगे। इस तरह की झीलों के दो-तीन बड़े असर होंगे। सबसे पहले, तो आने वाले समय में पानी का संकट बढ़ेगा।

दूसरा, इन झीलों से मीथेन गैस निकलती है, जो स्थानीय तापक्रम को और बढ़ा देगी और तीसरी बड़ी बात यह है कि यह किसी बाढ़ का कारण भी बन सकती है। इन सब बातों को संज्ञान में लेकर अगर हम अपनी आपदा प्रबंधन रणनीति बनाएं, तो भले ही प्राकृतिक आपदाओं को रोक न सकें, लेकिन उससे होने वाले नुकसान को जरूर कम कर सकते हैं। यही समय है कि हम अपनी नीतियों का, खासतौर से परिस्थितिकी दृष्टिकोण से अवलोकन कर लें। वरना बाद में प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा सोचने का अवसर नहीं देंगी और सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। प्रकृति के संकेतों को समझने में ही हमारी भलाई है।

अंतरराष्ट्रीयः छोटे देशों को शिकार बनाता
चीन, नई विश्व व्यवस्था बनाने का है मंसूबा

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू लगातार ऐसे फैसले ले रहे हैं, जो चीन के साथ उनकी निकटता को ही दर्शाते हैं। छोटे पड़ोसी देशों के साथ चीन की निकटता भारत के लिए चिंताएं बढ़ाने वाली हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर क्यों चीन विश्व के ऐसे देशों की तरफ अपने पैर पसार रहा है, जो आर्थिक और सामरिक रूप से कमजोर हैं? दरअसल, चीन पूरी तरह से नई विश्व व्यवस्था बनाने का मंसूबा पाले हुए है। शी जिनपिंग की चीनी कम्युनिस्ट पार्टी शासन को 2049 तक प्रमुख विश्व शक्ति बनाने की महत्वाकांक्षा है, जब वह अपने सौ वर्ष पूरे करेगी। इसके अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए चीन बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत आर्थिक एवं सामरिक रूप से कमजोर देशों को कर्ज देने की नीति का हथियार के रूप में प्रयोग कर रहा है। दूसरी ओर, चीन की आर्थिक मदद से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का मंसूबा पाले देश उसके कर्ज के जाल में फंसकर चीन का कर्ज चुकाने में दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। चीनी सहायता प्राप्त देशों, जैसे-श्रीलंका, जांबिया, इथियोपिया, पाकिस्तान, वेनेजुएला, नेपाल, केन्या, कंबोडिया, लाओस, अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे कई देश हैं, जो गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। अब श्रीलंका को ही ले लें, जिसने गृहयुद्ध के उपरांत आर्थिक सुधारों के लिए चीन का रुख किया, लेकिन आज उसके कर्ज-जाल में फंस गया है। श्रीलंका ने पहले 2014 और पुन: 2017 में अपने कर्ज के पुन: प्रबंधन हेतु चीन से निवेदन किया था, लेकिन उसके दोनों अनुरोध खारिज कर दिए गए थे। अंतत: जब तक श्रीलंका ने आईएमएफ से सहायता मांगने का निर्णय लिया, तब तक उसकी अर्थव्यवस्था 1948 में देश की आजादी के बाद से सबसे खराब मंदी की ओर बढ़ गई, जिससे विद्रोह भड़क गया और नतीजतन हजारों लोगों ने राष्ट्रपति को उनके घर से खदेड़ दिया था। जांबिया की भी यही स्थिति है, जिसके कुल विदेशी कर्ज का तीस फीसदी हिस्सा चीन द्वारा निर्गत किया गया है और माना जाता है कि उस पर चीनी फाइनेंसरों का लगभग छह अरब डॉलर बकाया है। इस प्रकार 2020 में, चीन के कर्ज जाल में फंसते हुए जांबिया यूरो बॉन्ड्स पर डिफॉल्ट करने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। चीन के कर्ज जाल में फंसे पाकिस्तान की हालत पहले से ही काफी खराब चल रही है, हालांकि उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से तीन अरब डॉलर की सहायता मिली है, जिस पर उसकी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। नेपाल और चीन ने 2017 में बीआरआई हेतु हस्ताक्षर किए थे, लेकिन लगभग सात साल बाद एक परियोजना तक क्रियान्वित नहीं हो पाई है और इसका सबसे बड़ा कारण रहा नेपाल का पोखरा हवाई अड्डा, जो चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं था, फिर भी चीन ने इसके लिए फंड देते हुए इसे बीआरआई के अंतर्गत बताने की कोशिश की। इसी प्रकार, वेनेजुएला भी आर्थिक संकट में फंसा हुआ है, जहां सरकार पर कथित तौर पर चीन का भारी कर्ज बकाया है। तेल से समृद्ध, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर इस देश ने 2005 से चीनी कर्ज ले रखा है। चीन के साथ दिक्कत यह है कि वह जो कर्ज देता है, उसके पीछे की शर्तों को कभी सार्वजनिक नहीं करता, जैसा आईएमएफ, विश्व बैंक या पेरिस समूह करते हैं। इस वजह से चीनी कर्ज की पारदर्शिता हमेशा संदेह के दायरे में रही है। चीन चूंकि आसान शर्तों पर ऋणों को निर्गत करता है, जो आर्थिक रूप से कमजोर देशों को आकर्षित करता है। कर्ज लेने वाले उन देशों को उस कर्ज के विपरीत परिणामों का एहसास तब होता है, जब उनके आर्थिक संकट बेकाबू हो जाते हैं और फिर वे इसके समाधान करने के लिए चीन से कोई रियायत प्राप्त नहीं कर पाते। उपरोक्त देशों के उदाहरणों से पता चलता है कि भले ही चीन ऋण देने की नीतियों में उदार है, लेकिन वह इसके जरिये कमजोर देशों को शिकार बनाता है। या चीन के साथ किसी देश के चाहे कितने भी अच्छे राजनीतिक रिश्ते क्यों न हों, वे ऋण संकट के समय चीन से तत्काल राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। जाहिर है कि माले को उन देशों से, जो चीनी ऋण के जाल से जूझ रहे हैं, सीख लेनी चाहिए तथा भारत जैसे नैतिक और लोकतांत्रिक देश के साथ संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहिए।

भस्मारती में बाबा महाकाल ने दिया शांति का संदेश, श्रृंगार में चारों ओर नजर आया ऊं

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष की षष्ठी पर शुक्रवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट, रुद्राक्ष और गुलाब के पुष्पों की माला धारण

करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि भस्मआरती में बाबा महाकाल का ऊं से श्रृंगार कर मिष्ठान का भोग लगाया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में उज्जैन सतीश सिंह कुशवाह और नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे विकास कार्य के लिए 51 हजार की राशि का चेक दिया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी द्वारा दानदाता का सम्मान किया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालु जन जहां स्वेच्छा से दान और भेंट आदि करते हैं, वहीं कर्मचारी, अधिकारी आवश्यकतानुसार त्वरित सेवा के लिए प्रेरित भी करते हैं। इसी क्रम में मंदिर की प्रसाद निर्माण इकाई में प्रभारी कमलेश प्रसाद द्वारा उच्च गुणवत्तापूर्ण नई चक्की की आवश्यकता बताई गई। जिस पर मंदिर सहा. प्रशा. अधिकारी आरके तिवारी की प्रेरणा से बड़ोदा, गुजरात के श्रद्धालु भावेशजी ने 40 हजार पांच सौ रुपये की चक्की मंदिर को भेंट की।

कैटरीना कैफ ने बॉलीवुड में काम करने के अनुभव को किया शेयर

मुंबई । बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। महज 14 साल की उम्र में उन्होंने फिल्म 'बूम' से भारतीय सिनेमा में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने कई फिल्में करके लोकप्रियता हासिल की लेकिन इंडस्ट्री में काम करने के दौरान उन पर एक खास तरह से दिखने का दबाव था। वह उस वक्त काफी कंफ्यूज रहती थीं और विक्की उन्हें समझाया करते थे। इस बारे में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपना अनुभव शेयर किया है। हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कैटरीना ने कहा, इंडस्ट्री में बने रहने के लिए हमें खुद को खूबसूरती के एक खास सांचे में ढालना होगा। मैंने कई बार इस तरह का दबाव महसूस किया है। यह दबाव अक्सर मुझे घुटन महसूस कराता है। मेरे मन में बहुत सारे विचार चलते हैं। अक्सर मुझे अपना लुक, अपने कपड़े, अपने बाल पसंद नहीं होते। फिर मैं इसे ठीक करने के लिए उत्सुक हूं।कैटरीना ने कहा, आपके आस-पास के सभी लोग क्या कर रहे हैं या क्या कह रहे हैं, इसकी तुलना में यह जानना और अपनी पहचान बनाए रखना वास्तव में कठिन है कि आप कौन हैं। मैं अपने जीवन में सकारात्मक बने रहने के लिए जिन चीजों का पालन करती हूं वे हैं आत्मविश्वास, विचारों की स्पष्टता और दृढ़ संकल्प। हमें अपने विचारों, इच्छाओं और लक्ष्यों को समझने के लिए खुद को समय देना चाहिए।इस बीच, कैटरीना के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री कैटरीना कैफ 2019 में एक उद्यमी बन गईं और कैटरीना ने मेकअप के प्रति अपने जुनून को व्यवसाय में बदलने का फैसला किया।

विदेश से मायके पहुंचीं देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा मां से ज्यादा बेटी मालती ने लूटी लाइमलाइट

नई दिल्ली । प्रियंका चोपड़ा वापस भारत आ गई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पहले मुंबई आने की अनाउंसमेंट की थी। उन्होंने मालती के साथ सेल्फी शेयर की थी जिसमें मालती के मुंह पर पैसिफायर था। एयरपोर्ट पर आते ही प्रियंका के फैंस की भीड़ जमा हो गई। वहीं मीडिया फोटोग्राफर्स उन्हें कैप्चर करने लगे। हालांकि इस दौरान की लाइमलाइट उनकी बेटी मालती मैरी ने लूट ली। मालती इस दौरान प्रियंका की गोद में थीं। प्रियंका, मालती को फोटोग्राफर्स को हाय करने को बोलती हैं तो वह चेहरा दूसरी तरफ कर लेती हैं जिसे देखकर प्रियंका भी हंसती हैं।

फैंस दोनों को देखकर खुश दोनों मम्मी-बेटी साथ में बहुत अच्छे लग रहे थे। प्रियंका ने ब्लैक आउटफिट पहना था हैट के साथ। वहीं मालती ने ग्रीन टॉप और पैंट पहनी थी। फैंस दोनों को देखकर काफी खुश हैं। किसी ने कमेंट किया कि ये परफेक्ट मां-बेटी की जोड़ी है। किसी ने लिखा कि आखिर मालती अपनी नानी के घर आ ही गई। कोई मालती की क्यूटनेस की भी ऐसा कहा जा रहा है कि प्रियंका मुंबई के बुल्गारी इवेंट में शामिल होने वाली हैं। बता दें कि प्रियंका इस लग्जरी ब्रांड की ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर हैं।

मालती का दूसरा भारत ट्रिप बता दें कि प्रियंका लास्ट पिछले साल अक्टूबर में भारत आई थीं। उस वक्त वह अकेले आई थीं। वहीं इस साल जब निक और उनके भाई के बैंड का कॉन्सर्ट मुंबई में हुआ था तब वह अपने काम की वजह से नहीं आ पाई थीं। हालांकि उससे पहले जब अप्रैल में प्रियंका आई थीं तब निक और मालती भी उनके साथ थीं। मालती का वो पहला ट्रिप था। इस बारे में बताते हुए प्रियंका ने कहा था, 'मालती को मुंबई में काफी मजा आया। उसे यहां सब कुछ काफी अच्छा लगा। वह अपनी नानी के घर भी गई थी कि मेरी मम्मी का घर है।' प्रियंका के बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह लास्ट द व्हाइट टाइगर में नजर आई थीं जिसमें उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में थे। यह फिल्म 2021 में रिलीज हुई थी। इसके बाद से प्रियंका ने कोई हिंदी फिल्म साइन नहीं की है।

आपसे दखल देने की रिक्वेस्ट करती हूं सुशांत सिंह राजपूत की बहन ने मोदी से की ये अपील

नई दिल्ली- बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन को 45 महीने पूरे हो चुके हैं. लेकिन अबतक इस मामले की गुत्थी सुलझ नहीं पाई है. 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत अपने बांद्रा वाले अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे. रिपोर्ट्स में ये बात सामने आई थी कि, उनकी मौत की वजह आत्महत्या है. हालांकि, इसके बाद सीबीआई जांच बिठाई गई थी. लेकिन अबतक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंची है. अब सुशांत सिंह राजपूत की बहन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई है. श्वेता सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है.दरअसल सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में उनकी गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती पर एफआईआर दर्ज हुई थी. शुरुआत में केस पुलिस के पास था, जो बाद में सीबीआई को सौंप दिया गया. उनके परिवार को लंबे वक्त से इस मामले में अपडेट का इंतजार है, लेकिन अब उनका कहना है कि, उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली है. सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह लंबे वक्त से भाई की मौत के पीछे की सच्चाई जानने का इंतजार कर रही हैं. सोशल मीडिया पर वो लगातार सुशांत को लेकर कुछ न कुछ चीजें शेयर करती रहती हैं. बर्थडे हो या फिर दूसरा मौका. श्वेता सिंह काफी एक्टिव रहती हैं. लेकिन 45 महीने होने के बावजूद कोई अपडेट न मिलने से परिवार वाले काफी नाराज और परेशान हैं. इसी बीच श्वेता ने वीडियो शेयर करते हुए कहा कि, मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि, भाई की मौत को 45 महीने को चुके हैं. लेकिन अबतक हमारे पास सीबीआई की जांच को लेकर अपडेट नहीं है. इस मामले में आपसे दखल देने की रिक्वेस्ट करती हूं. आगे उन्होंने ये भी कहा कि, परिवार के तौर पर हम इस केस से जुड़े बहुत सारे सवालों का जवाब ढूंढ रहे हैं, जो अबतक नहीं मिले हैं. मैं इसलिए पीएम मोदी का इस मामले में हस्तक्षेप चाहती हूं, ताकि जांच को लेकर कोई अपडेट मिल पाए. हम जानना चाहते हैं कि, सीबीआई की जांच इस मामले में कहां तक पहुंची है. 14 जून को आखिर क्या हुआ था बहुत लोग इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे हैं. जिसके मिलने के बाद ही कई दिलों को सुकून मिलेगा.

एकता कपूर की फिल्म 'लव सेक्स और धोखा-2' से उर्फी जावेद करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

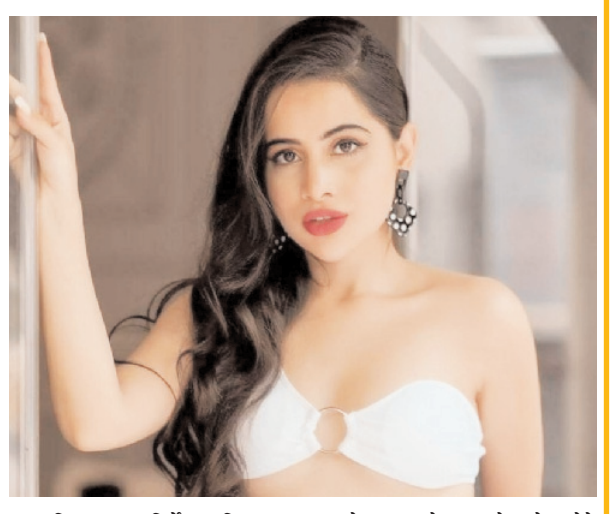

मुंबई । राजकुमार राव, नुसरत भरूचाकी फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' हिट रही थी। नई पीढ़ी की प्यार की अजीब व्याख्या और उससे पैदा होने वाली समस्याओं पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई। अब इसके सीक्वल यानी 'लव सेक्स और धोखा-2' की चर्चा सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही है। इस फिल्म से उर्फी जावेद बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी।

उर्फी अपने आउटफिट के कारण हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनकी काफी आलोचना भी होती है लेकिन वह इन सबका बहादुरी से सामना करती हैं और वही करती हैं जो वह चाहती हैं। 'बिग बॉस ओटीटी' से ज्यादा पॉपुलर हुईं उर्फी इससे पहले एक्टिंग में भी अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। उर्फी टेलीविजन के कई सीरियल्स में एक आदर्श बहू के किरदार में नजर आ चुकी हैं।

यह साफ है कि फिल्म 'लव सेक्स और धोखा-2' की कहानी उर्फी की पर्सनैलिटी से मेल खाती है। इस फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी करेंगे और एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स इसे प्रोड्यूस करेगी। पहले इस फिल्म में तुषार कपूर और मौनी रॉय नजर आने वाले थे लेकिन कहा जाता है कि दोनों ने इसके लिए मना कर दिया।

इतना ही नहीं, यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म 19 अप्रैल को रिलीज होगी। उर्फी जावेद इससे पहले ऐ मेरे हमसफर, चंद्र नंदिनी, मेरी दुर्गा, साथ फेरो की हेरा फेरी, बेपना, डियान जैसे कई टेलीविजन सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने रिश्ता क्या कहलाता है, बड़े भैया जैसे सीरियल्स में भी काम किया है। उर्फी इन दिनों पैपराजी के सामने अपने अनोखे और ग्लैमरस फैशन के लिए ही जानी जाती हैं।

अश्लील कंटेंट दिखाने के लिए 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म, 19 वेबसाइट और 10 ऐप को किया गया बैन

मुंबई- सोशल मीडिया और ओटीटी एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो घर-घर में मौजूद है. वेबसाइट्स और ऐप्स के जरिए आजकल आप घर बैठे-बैठ जो चाहे वो देख सकते हैं. लेकिन इनका गलत इस्तेमाल करने वालों की भी कोई कमी नहीं है. ऐसी कई सारी वेबसाइट्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म और ऐप्स हैं, जो अश्लील कंटेंट लोगों तक पहुंचाते हैं. इस मामले पर सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है.सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय ने कार्रवाई करते हुए 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म, 19 वेबसाइट और 10 ऐप को बैन कर दिया है. इतना ही नहीं 57 सोशल मीडिया हैंडल को भी ब्लॉक किया गया है. भारत सरकार के मुताबिक इन सभी साइट्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आईटी एक्ट का उल्लंघन किया है. इसके अलावा ये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इंडियन पीनल कोड का भी उल्लंघन कर रहे थे.सरकार का ये भी मानना है कि पिछले कई सालों से ये ओटीटी प्लेटफार्म और वेबसाइट महिलाओं की इमेज खराब करने वाले कंटेंट दिखा रहे थे. 12 मार्च 2024 को यूनियन मिनिस्टर अनुराग सिंह ठाकुर ने ये अनाउंसमेंट की है. बता दें, जो हैंडल ब्लॉक और बैन किए गए हैं, उनमें से किसी के एक करोड़ तो किसी के 15 लाख यूजर भी थे. इस मामले को भारत सरकार के सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय ने कानूनी विशेषज्ञ और एक्सपर्ट कमेटी के साथ डिस्कस करने के बाद ये अहम फैसला लिया गया है. एएनआई ने अपने ट्वीटर अकाउंट पर एक लिस्ट भी शेयर की है.शेयर की गई लिस्ट में उन सभी ओटीटी प्लेटफर्म, ऐप, वेबसाइट्स के नाम मेंशन किए गए हैं, जिन्हें भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय ने बैन और ब्लॉक किया है. सरकार का मानना है कि अश्लील कंटेंट का युवाओं पर बुरा असर होता है.

एक साथ एक फिल्म में काम करेंगे शाहरुख, सलमान और आमिर खान?

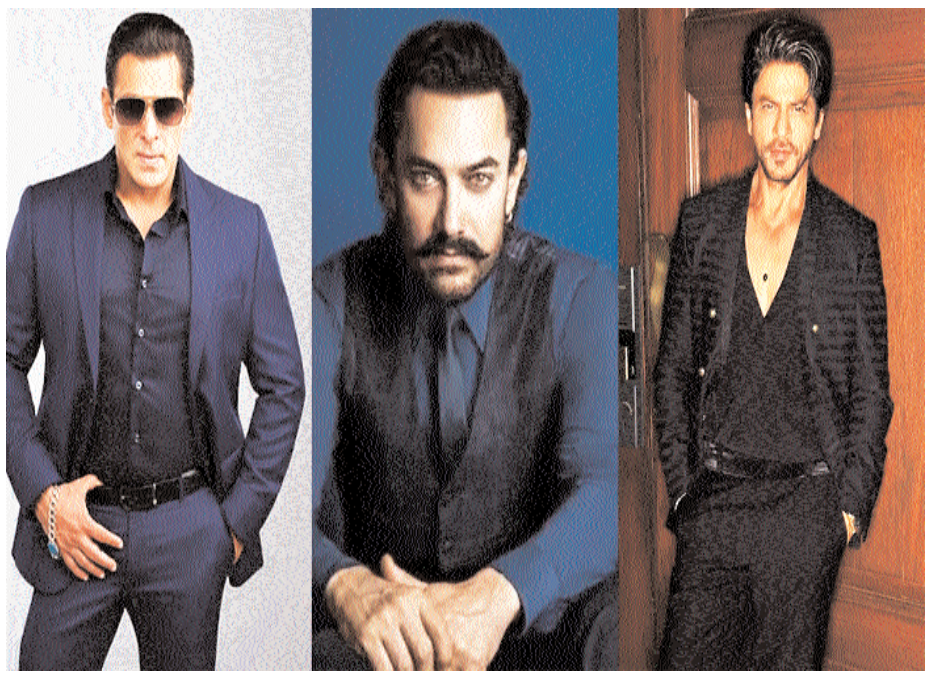

मुंबई- बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन फिलहाल अपनी फिल्म शैतान को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं. ये फिल्म सिनेमाघरों में लग चुकी है और दर्शकों को काफी पसंद भी आ रही है. अजय की ये पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कारोबार करती हुई नजर आ रही है. इस फिल्म की कहानी को आमिल कीयान खान ने लिखा है. इससे पहले रनवे 34, दृश्यम 2 और भोला जैसी फिल्मों की कहानी भी लिख चुके हैं. लेकिन शैतान के लिए वह फिलहाल काफी तारीफें बटोर रहे हैं.शैतान जल्द ही 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आमिल ने अजय के साथ अपना एक्सपीरियंस शेयर किया. साथ ही उन्होंने बताया कि एक हॉरर फिल्म में 3 खानों के साथ काम करना कैसा हो सकता है. दरअसल आमिल कीयान खान से सवाल किया गया कि क्या वह शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान के साथ किसी हॉरर-थ्रिलर या सुपरनैचुरल-थ्रिलर में काम करना चाहेंगे. सवाल का जवाब देते हुए राइटर ने कहा कि वह बेशक तीनों के साथ काम करना चाहेंगे.एक रोमांस में है और दूसरा एक्शन में माहिर है. साथ ही, मुझे यकीन नहीं है कि उनके दर्शक उन्हें डरावनी फिल्म में देखने के लिए तैयार हैं या नहीं. एक डरावनी फिल्म करने के लिए, किसी को वास्तव में इस कैटेगरी में इंट्रस्ट होना चाहिए. उदाहरण के लिए, अजय देवगन सर हॉरर फिल्मों के बहुत बड़े शौकीन हैं.बता दें, अजय देवगन के पास पाइपलाइन में कई सारी फिल्में मौजूद हैं. एक्टर एक के बाद एक फिल्मों पर काम किए जा रहे हैं. अजय देवगन की सिंघम अगेन पर भी दर्शक नजरें टिकाए हुए हैं. सिंघम अगेन में कई बड़े-बड़े सितारों के कैमियो भी देखने को मिलने वाले हैं. रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण, श्वेता तिवारी का कैमियो देखने को मिलेगा. इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार हैं.

100 करोड़ के पास पहुंची 'शैतान'

नई दिल्ली । हॉरर फिल्में अक्सर लोगों को पसंद आती है और इसी कड़ी में 8 मार्च को फिल्म रिलीज हुई 'शैतान'. फिल्म में अजय देवगन और आर माधवन की जोड़ी लोगों की खूब लुभा रही हैं. फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता होने को है और फिल्म 100 करोड़ी क्लब में शामिल होने से सिर्फ इंच भर दूर है. हॉरर फिल्म 'शैतान' का सिक्का इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर जमकर चमक रहा है. इस फिल्म ने अजय देवगन की ही फिल्म 'दृश्यम' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. 'शैतान' लोगों को पसंद आ रही है, यहीं कारण है कि इसका कलेक्शन तेजी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है. इस बीच 'शैतान' के छठे दिन की कमाई सामने आया है. चलिए आपको बताते हैं कि इस हॉरर थ्रिलर ने बुधवार को कितने नोट छापे हैं और किस मामले में 'दृश्यम' का रिकॉर्ड तोड़ा है.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'शैतान' ने पहले दिन 14.75 करोड़ रुपए कमाए थे. दूसरे दिन 18.75 करोड़, तीसरे दिन 20.5 करोड़, चौथे दिन 7.25 करोड़ और पांचवें दिन 6.5 करोड़ रुपए कमाए थे. अब छठे दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं जिसके मुताबिक फिल्म ने अब तक 6.25 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है.'शैतान' ऑडियंस को बहुत पसंद आ रही है. लोग भारी संख्या में इस मूवी को थिएटर्स में जाकर देख रहे हैं. 'शैतान' ने ओपनिंग डे यानी शुक्रवार को 14.75 करोड़ का बिजनेस किया था. दूसरे दिन कमाई में 27.12 फीसदी का इजाफा हुआ और फिल्म ने 18.75 करोड़ की कमाई कर ली. रविवार यानी तीसरे दिन शैतान ने 9.33 फीसदी बढ़त के साथ 20.5 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. पांचवें दिन 6.5 करोड़ रुपए कमाए थे. अब छठे दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं .सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के मुताबिक, 'शैतान' ने छठे दिन 6.25 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है. इस कलेक्शन के बाद 'शैतान' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 74.00 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.'शैतान' वर्ल्डवाइड भी झम्पाट कमाई कर रही है. फिल्म अब तक 96 करोड़ कमा चुकी है. यानी फिल्म 100 करोड़ी क्लब में शामिल होने के इंच भर दूर है. माना जा रहा है कि आज यानी 7वें दिन फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी. इसी के साथ अजय देवगन ने अपनी फिल्म 'दृश्यम' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. दरअसल, साल 2015 में क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम' रिलीज हुई थी, जिसको लोगों ने काफी पसंद भी किया था. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 'दृश्यम' का लाइफटाइम कलेक्शन 67.14 करोड़ था. वहीं, सिर्फ 6 दिनों में 'शैतान' ने इससे ज्यादा कमाई करके ये रिकॉर्ड तोड़ दिया है.अजय देवगन की 'शैतान' एक पिता की कहानी है, जिसकी बेटी को एक शख्स अपने वश में कर लेता है और फिर उसे अपने इशारों में नचाना शुरू कर देता है. फिल्म में आर माधवन की खलनायकी के खूब चर्चे हो रहे हैं. उन्होंने ऐसी अदाकारी दिखाई है कि हर कोई हैरान है. वहीं. फिल्म में ज्योतिका और जानकी बोड़ीवाला ने भी शानदार काम किया है. 'शैतान' गुजराती फिल्म वश का हिंदी रीमेक है जिसका निर्देशन विकास बहल ने किया है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन एवं क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय गुना का डिजिटल शुभारंभ किया

खरगोन जिले के 557 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ

खरगोन, खरगोन में आये मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के चयनित महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों में पायलेट ट्रेनिंग कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे। जिससे प्रदेश के युवाओं का पायलेट बनकर हवाई यातायात में रोजगार के अवसर मिलेंगे। खरगोन एवं गुना में प्रारंभ किए गए विश्वविद्यालय में दो साल की भीतर कृषि सहित सभी तरह के कोर्स प्रारंभ होंगे। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय जाने के लिए महाविद्यालय की अपनी बसें चला करेंगी। महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अब अपनी डिग्री या दस्तावेज लेकर यहां वहां नहीं घुमना पड़ेगा। इसके स्थान पर दस्तावेजों का डिजिटलाईजेशन कर दिया जाएगा और छात्र-छात्राएं अपनी डिजी लॉकर में डिजिटल दस्तावेज रख रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय एवं क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय गुना के डिजिटल लांच के अवसर पर यह बातें कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरगोन जिले की 557 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत की 03 उद्वहन सिंचाई योजनाओं का लोकार्पण भी किया और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। जिले के महाविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई थी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निमाड़ क्षेत्र को विश्वविद्यालय की सौगात मिलने की बधाई देते हुए कहा कि निमाड़ वीरों की धरती है। 1857 की लड़ाई में अंग्रेजों के विरूद्ध लड़ने वाले महानायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील के नाम पर खरगोन के विश्वविद्यालय का नामकरण किया गया है। इसी प्रकार गुना जिले में तात्या टोपे के नाम पर विश्वविद्यालय प्रारंभ किया गया है। क्रातिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय में खंडवा, बुरहानुपर, अलीराजुपर, बड़वानी एवं खरगोन जिले के सभी महाविद्यालयों को शामिल किया गया है। इसी प्रकार गुना के क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय में अशोकनगर, शिवपुरी एवं गुना के महाविद्यालयों को शामिल किया गया है। अब इन जिलों के विद्यार्थियों को इंदौर, उज्जैन एवं ग्वालियर जैसे बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पडेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम जो कहते हैं उसे पूरा भी करते हैं। मेरे द्वारा खरगोन में विश्वविद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी। इस घोषणा के 60 दिन पूरे होने के पहले ही विश्वविद्यालय प्रारंभ हो गया है। खरगोन एवं गुना के इन विश्वविद्यालयों में दो साल के भीतर सभी प्रकार के कोर्स प्रारंभ कर दिए जाएंगे। यह विश्वविद्यालय कॉलेज की डिग्री देने के साथ ही हमारे देश की प्राचीन संस्कृति की शिक्षा देने का काम भी करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होने देंगे। हमारी सरकार ने दूर दराज के क्षेत्रों तक एयर एम्बुलेंस की सुविधा देने का निर्णय लिया है। अब गांव के गरीब व्यक्ति को भी ईलाज के लिए एयर एम्बुलेंस की सुविधा दी जाएगी। हमारी सरकार ने आज से ही भोपाल से जबलपुर, ग्वालियर, हवाई यातायात की सुविधा प्रारंभ की है। हमारी सरकार ने देव स्थानों के दर्शन के लिए हेलीकाप्टर की सुविधा प्रारंभ की है। आज ही ओंकारेश्वर एवं उज्जैन महाकाल लोक के लिए हेलीकाप्टर से दर्शन के लिए सुविधा प्रारंभ की गई है। खरगोन से भी इस हवाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

पीजी कॉलेज खरगोन में आयोजित इस कार्यक्रम में गजेन्द्र सिंह पटेल, खरगोन-बड़वानी सांसद, ज्ञानेश्वर पाटिल सांसद, खंडवा लोकसभा क्षेत्र, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी सांसद, राज्यसभा, बालकृष्ण पाटीदार विधायक खरगोन, राजकुमार मेव विधायक महेश्वर, सचिन बिरला विधायक बड़वाह, पंधाना विधायक छाया मोरे, नेपानगर विधायक मंजु दादु, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुबाई तंवर, नगरपालिका खरगोन की अध्यक्ष छाया जोशी,महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष दीपक कानूनगो, अन्य जनप्रतिनिधि, इंदौर संभाग के कमिश्नर दीपक सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, लक्ष्मी गामड़, अन्य अधिकारी एवं खरगोन जिले के सभी महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

खरगोन में विश्वविद्यालय के प्रारंभ होने से शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति का संचार होगा। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस विश्वविद्यालय के लिए 127.56 एकड़ जमीन आवंटित कर दी है। यह भूमि खरगोन कसरावद रोड के पश्चिम में मेनगांव, दारापुर, नारायणपुरा तथा किशनपुरा की सीमा से लगी हुई है।

खरगोन में विश्वविद्यालय प्रारंभ होने से इसमें नये-नये कोर्स एवं अनुसंधान के कार्य प्रारंभ होंगे। जिससे इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए इंदौर एवं अन्य बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। विश्वविद्यालय के खुलने से खरगोन जिले में शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। यह विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास के लिए विश्व स्तरीय अधोसंरचना प्रदान करेगा।

114 गांवों की 74 हजार 110 एकड़ कृषि भूमि पर सिंचाई की सुविधा

14 मार्च को क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरगोन जिले की 557 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत की 03 उद्वहन सिंचाई योजनाओं का लोकार्पण भी किया। इनमें 365 करोड़ 42 लाख रुपए के पीपरी माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना, 68 करोड़ 36 लाख रुपए की चौली-जामन्या माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना एवं 123 करोड़ 69 लाख रुपए की बलकवाड़ा माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना शामिल है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीकनगांव जनपद पंचायत के ग्राम मछलगांव के किसान नरेन्द्र पटेल एवं झिरन्या के जनपद पंचायत के ग्राम कोठड़ा के कालू को रीपरकमाबाइन्डर के लिए 2.50-2.50 लाख रुपए का चैक प्रदान किया। इसी प्रकार ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वैशाली तारे एवं प्रज्ञा पाटीदार को 02.83 करोड़ रुपए, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा सेगांव के भूरेसिंग देवड़े को भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत टैक्सी वाहन के लिए 12 लाख रुपए का चैक तथा शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत खरगोन नगरीय क्षेत्र के आशा स्वयं सहायता समूह को 04 लाा 50 हजार रुपए का बैंक लिंकेज चैक प्रदान किया। इसके साथ ही पीजी कॉलेज खरगोन के छात्र निर्मल मण्डलोई, छात्रा कुमारी संवेदना पंढाने एवं छात्र श्री ध्रुव चंदानी को राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल द्वारा मुख्यमंत्री को तीर कमान भेंट कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम को खरगोन बड़वानी सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल, खण्डवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने भी संबोधित किया।

हैलीपेड पर किया गया मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खरगोन जिले के सुखपुरी हैलीपेड पहुंचने पर सांसद गजेंद्र पटेल, ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, राजकुमार मेव, सचिन बिरला, कमिश्नर दीपक सिंह, पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

महाविद्यालय में लगाई जाए स्वमी विवेकानंद जी की प्रतिमा

अभाविप ने जनभागीदारी समिति अध्यक्ष को विभिन्न मांगो को लेकर सौंपा ज्ञापन, दी आंदोलन की चेतावनी

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा गुरूवार को जनभागीदारी समिति अध्यक्ष को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा महाविद्यालय में लगाने सहित विभिन्न मांगों के निराकरण की मांग की। ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने मांग की कि महाविद्यालय मे स्वामी विवेकानंद जी की मुर्ति स्थापित की जाए। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बीएससी (बायोटेक) बीएससी (माईक्रो बाइलोजी) योगा, पत्रकारिता, स्पोर्ट्स आदि विषय के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाएं ताकि विद्यार्थियों को इन पाठ्यक्रमों का लाभ मिल सके। साथ ही मांग की गई कि महाविद्यालय परिसर मे बाहरी तत्वों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए क्योंकि इससे विद्यार्थियों में असुरक्षा का भय बना रहता है। इसके लिए महाविद्यालय में सुरक्षा गार्डो की संख्या बढ़ाई जाए। अभाविप ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो अभाविप द्वारा वृहद आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी महाविद्यालय प्रशासन की रहेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभाविप कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

कोतवाली पुलिस को मिली सफलता

मंडी के बाहर से चोरी गए ट्रेक्टर को कोतवाली पुलिस ने किया जब्त

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, 29 फरवरी को एबी रोड स्थित कृषि उपज मंडी से अज्ञात बदमाश ट्रेक्टर-ट्रॉली चुरा ले गए थे। जिसे पुलिस ने जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सिलेपुर निवासी दिनेश पिता कैलाश मेवाड़ा निवासी सिलेपुर ने 29 फरवरी को अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा कृषि उपज मंडी के बाहर से अपने ट्रेक्टर महिंद्रा 475 क्र. 42 एबी-8773 व नीले रंग की ट्राली कुल कीमत करीब 5 लाख रू. की चोरी की शिकायत की थी। इस पर कोतवाली टीआई बृजेश मिश्रा द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही थी और टीम का भी गठन किया था। 13 मार्च को एक ट्रेक्टर महिंद्रा 475 लाल रंग का जिसका नं. एमपी 42 एबी-8773 व उसी चेचिस नंबर का जिसमें बंधी हुई एक नीले रंग की ट्राली को सोनू पिता आत्माराम बड़ाल (33) निवासी बोरदा से बोरदा खरखड़ी के जंगल से जप्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के साथी सुनील पिता ईश्वरसिंह गुर्जर निवासी रामपुरा व दीवान सिंह पिता अमरसिंह गुर्जर निवासी बोरदा से उक्त ट्रेक्टर की आगे-पीछे की नंबर प्लेट, ट्रेक्टर के आगे का बम्पर व ट्रेक्टर का हुट, ट्रेक्टर का बोनट पाइप जप्त की जाना है जिनकी तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा, उनि आरसी यादव, प्रधान आरक्षक दीपक शर्मा, आरक्षक शैलेन्द्र शर्मा, शैलेन्द्र गुर्जर, आरक्षक राजकुमार मीणा, आरक्षक सुरेश मालवीय की सराहनीय भूमिका रही।

कालोनी में नहीं पहुंच रहे कचरा वाहन, रहवासियों ने सौंपा ज्ञापन

नवकार सिटी के रहवासी पहुंचे नगर पालिका

शाजापुर, नगर के कई क्षेत्रों में कचरा वाहन नहीं पहुंच रहे हैं। जहां गंदगी का अंबार है। इनमें एक है नवकार सिटी जहां के रहवासी कचरा वाहन न आने की वजह से परेशान हो रहे हैं। कालोनी के रहवासियों ने गुरूवार को नगर पालिका पहुंचकर पार्षद व सभापति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रहवासियों ने बताया कि हमारी कालोनी में कचरा वाहन नहीं आ रहे हैं। इस वजह से यहां कचरे का ढेर लग रहा है और गंदगी पसर रही है। साथ ही नालियों की भी सफाई नहीं हो पा रही है जिससे नालियां चॉक हो रही हैं जिनमें बड़ी तादाद में मच्छर पनप रहे हैं। जिनकी सफाई करवाई जाए ताकि कोई महामारी न फैल सके। रहवासियों ने ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग की कि कालोनी में सीवरेज का काम नहीं हुआ है। जिससे नालियों में ही गंदगी बह रही है जिनमें मच्छर भी पनप रहे हैं। अतः यहां सीवरेज योजना के तहत भी काम करवाया जाए ताकि वे भी शासन की इस योजना का लाभ ले सकें। इस अवसर पर कालोनी के नरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित थे।

अवैध खनन रोकने गए अफसरों पर पथराव

पोकलेन मशीन जब्त करने पहुंचा था अमला, एक युवक घायल, सरकारी गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, जिले के कालापीपल तहसील के ग्राम मोहम्मदपुर मछनई गांव में खनन विभाग के दल और ग्रामीणों के बीच में पथराव हो गया। विभाग के अधिकारी शाजापुर जिले के खनिज उत्खनन का ठेका लेने वाली निजी कंपनी के लोगों के साथ यहां कार्रवाई करने पहुंचे थे। घटना में एक ग्रामीण घायल हुआ है। वहीं सरकारी गाड़ियां भी ग्रामीणों के पथराव में क्षतिग्रस्त हुई हैं। अवैध उत्खनन रोकने गए प्रशासनिक अधिकारियों के दल और कंजर समुदाय के अवैध उत्खननकर्ताओं के बीच यह पत्थरबाजी गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे हुई है।

बताया जाता है कि शाजापुर जिला खनिज अधिकारी आरिफ खान पुलिस लाइन से अतिरिक्त रिजर्व फोर्स के साथ अवैध उत्खनन की सूचना पर पोकलेन मशीन जब्त करने के लिए मोहम्मदपुर मछनई के पास नदी क्षेत्र में पहुंचे थे। जहां खनिज विभाग के अमले के यहां पहुंचते ही ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि ठेकेदार के प्राइवेट गुंडे लेकर अफसर बंद पड़ी पोकलेन मशीन को जबरन जब्त करने आए हैं।

अवैध उत्खनन में संलग्न लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इस पथराव में खनन अधिकारी की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना के वीडियो बनाए। वीडियो में ग्रामीण विरोध दर्ज कराते हुए दिख रहे हैं। दोनों ओर से हुई पत्थर बाजी में एक कंजर समाज के युवक को भी आंख के ऊपर गंभीर चोट आई है। घायल का नाम अभी अफसरों के पास भी नहीं है।

बिना सूचना दिए कार्रवाई करने पहुंचे थे अधिकारी- सूचना पर शुजालपुर प्रभारी एसडीएम सत्येंद्रकुमार सिंह, एसडीओपी पिंटू कुमार बघेल, काला पीपल पुलिस थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा सहित अमला और अतिरिक्त पुलिस बल भी गांव के लिए रवाना किया गया है। बताया जाता है कि खनिज विभाग का दल यहां बिना स्थानीय प्रशासनिक अमले और पुलिस को सूचना दिए कार्रवाई करने के लिए पहुंचा था।

ग्रामीणों ने सरकारी वाहनो पर बरसाए डंडे- ग्रामीणों का आरोप था कि खेत में खडी मशीन को अवैध खनन बताते हुए अधिकारी इसे जब्त करने पहुंचे थे जो सुनवाई करने को तैयार नहीं थे। इसी को लेकर वहां विवाद हुआ। इसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और अधिकारियों पर पथराव कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों के वाहनों पर भी डंडे बरसाए, जहां से बमुश्किल अधिकारी अपनी जान बचाकर भाग सके।

माइनिंग टीम पर हमले का वीडियो आया सामने- माइनिंग टीम पर ग्रामीणों के हमले का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें ग्रामीण माइनिंग टीम के अफसर व टीम को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते व गाड़ियों में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में घायल ग्रामीण भी दिख रहा है। माइनिंग टीम पर हमले की सूचना मिलते ही एसडीएम सत्येंद्र कुमार सिंह, एसडीओपी पिंटूकुमार बघेल, कालापीपल पुलिस थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा सहित अमला व अतिरिक्त पुलिस बल भी गांव के लिए रवाना किया गया है।

सिविल लाईन पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

पुरानी बुराई के कारण हुई थी हत्या

राहुल रैकवार। सिटी चीफ

छतरपुर, शहर में गजराज पैलेस के सामने रोड में अज्ञात हमलाबरो द्वारा एक व्यक्ति को गोली मारी गई जिससे मौके पर ही मौत हो गयी थी। जो ईशानगर के रहने वाले थे। पुलिस को सूचना मिली, मौके पर तत्काल भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा, मौके पर जिले के पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ अधिकारियो का दलबल भी मौके पर पहुंचा। जिले में नाकाबंदी कर दी गयी, हत्यारे फरार हो चुके थे। फरियादी जो मृतक महेन्द्र गुप्ता का ड्राईवर व गनमैन था,उसकी रिपोर्ट पर थाना सिविल लाईन छतरपुर में अपराध क्र.123/24 धारा 302 भादवि 25/27 आर्म्स एक्ट का अपराध अज्ञात आरोपियो के विरूद्ध कायम कर विवेचना में ले लिया गया। मौके पर एफ.एस.एल.टीम एवं तकनीकी एक्स-पर्ट बुलाये गये और घटना स्थल का निरीक्षण कर छतरपुर पुलिस के लिये चुनौती बने इस अंधे कत्ल के खुलासे हेतु गम्भीरता से लेते हुये सिविल लाईन पुलिस कार्यवाही में जुट गयी।

प्रथम दृष्टया मृतक से सीगौन निवासी एक परिवार से करीबन 25-30 वर्षो से चली आ रही पुरानी रंजिस के कारण विवाद निरंतर चला आ रहा था। मुख्य आरोपी बड़ा ही फितरती ,चुस्त चालाक शातिर अपराधी है वह अपने साथियो के साथ महेन्द्र गुप्ता एवं उसके परिवार की हर गतिविधि पर नजर रखने लगा था

। गजराज होटल में वैवाहिक कार्यक्रम शामिल होने के लिये पहुंचे महेन्द्र गुप्ता जैसे ही पैलेस से बाहर आकर रोड पर पहुंचता है,तो एक लडका महेन्द्र गुप्ता के सिर में कट्टे से पास से फायर कर देता है, जमीन पर गिरे हुये महेन्द्र गुप्ता के सिर में कट्टे से चली महेन्द्र गुप्ता के सिर में लगी गोलियो से मौत हो चुकी थी। पुलिस ने कैसे किया मामले का खुलासाः घटना के तत्काल बाद जिले के पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे तथा थाना प्रभारी सिविल लाईन कमलेश साहू के नेतृत्व में तत्काल अपराध के खुलासे हेतु पूरे जिले की नाकाबंदी कर दी गयी। तत्काल कई टीमे गठित की गयी,तकनीकी टीम को लगा दिया गया। सी.सी.टी.व्ही.फुटेज खगालने के लिये टीमे गठित कर दी गयी। सैकेडो सी.सी.टी.व्ही. फुटेज देखे गये,सायवर सेल भी सक्रिय होकर डाटा इकट्ठा करने लगी ,कई सी.सी.टी.व्ही.फुटेज सिविल लाईन पुलिस के हाथ लगे। सिविल लाईन पुलिस को एक ऐसा सी.सी.टी.व्ही.फुटेज हाथ लगा जिससे एक संदेही की हुलिया के आधार पर पहचान करने में मदद मिली। फुटेज को शहर में कई जगह दिखाया गया तो संदेही की पहचान मुख्य आदतन आरोपी के साथी के रूप में की गयी जो विगत दो वर्षो से सह आरोपी एवं उसके परिवार वालो के सम्पर्क में होने की जानकारी मिली। संदेही आरोपी को तकनीकी सहायता से यह पता लगा लिया कि यह आरोपी घटना में शामिल है। इसी सुराग से पुलिस ने मामले में शामिल आरोपियो में से एक आरोपी को जिला सीधी से धर दबौचा , और उसने अपना जुर्म अपने साथियो के साथ करना कबूल करते हुये ,पूरी योजना एवं घटना का खुलासा सिविल लाईन पुलिस के सामने कर दिया। आरोपी के कब्जे से आलाजर्व जप्त किया गया है, तथा मुख्य आदतन आरोपी के साथी से अन्य आरोपियो के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है मामले की विवेचना की जा रही है। निर्देशन एवं मार्गदर्शनः पुलिस उप महानिरीक्षक श्री ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक छतरपुर श्री अमित सांघी के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विक्रम सिंह व नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाइन श्री कमलेश साहू के नेतृत्व मे सम्पूर्ण कार्यवाही की गई।

मामले के खुलासे में सराहनीय भूमिकाः निरीक्षक कमलेश साहू टीम नेतृत्व, उनि. धर्मेन्द्र रोहित, उनि. शैलेन्द्र चौरसिया, उनि. मनोज गोयल, उनि. किशोर पटेल, प्र.आर.प्रहलाद कुमार, प्र.आर. सतेन्द्र त्रिपाठी, प्र.आर. काजी रजी उद्दीन, प्र.आर. वीरेन्द्र कुमार, प्र.आर. जयवेदी,प्र.आर. राजू वर्मा, प्र.आर.हरचरण राजपूत, आर. नरेश सिंह, आर. धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, आर. पवन कुमार, आर. मुकेश अहिरवार, आरक्षक धर्मेंद्र सिरवैया, आर.राहुल भदौरिया, आर.दिनेश मिश्रा, आर. विनोद प्रजापति, साईबर सेल से प्र.आर. किशोर, प्र.आर. संदीप, आर.धर्मराज, आर.विजय, आई टी सेल से आर.राहुल भदौरिया ने अंधे कत्ल के खुलासा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

योग से नगरवासी हो रहे निरोग

नपा परिसर में हो रहा योग शिविर का आयोजन बड़ी संख्या में शामिल हो रहे नगरवासी

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, स्वस्थ भारत सशक्त भारत की भावना को लेकर नई नगर पालिका परिसर शाजापुर में मप्र योग आयोग के बैनर तले नियमित योग कक्षा का संचालन जिला योग प्रभारी बीएल गोयल के निर्देशन में किया जा रहा है। योगाचार्य गोपाल कुंभकार ने बताया कि पिछले लगभग 6 महीने से अधिक इस योग कक्षा के नियमित संचालन को हो चुके हैं। इस योग कक्षा से कई लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि यह शिविर सभी के लिए निःशुल्क है। योगाचार्य सत्यनारायण पाटीदार ने बताया कि हम शाजापुर के घर-घर जाकर योग का संदेश देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि नगर में पांच-पांच दिन के तीन योग शिविर अलग-अलग कॉलोनी में शिविर आयोजित किये जा चुके हैं। चौथे पांच दिवसीय योग शिविर की तैयारी भी शुरू हो चुकी हैं और हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक घर से एक व्यक्ति कम से कम नियमित योग कक्षा से जरूर जुड़े। क्योंकि अभी भी लोगों में योग प्राणायाम को लेकर जन जागृति की बहुत आवश्यकता है। योग आयोग परिवार ने सभी शहरवासियों से योग कक्षाओं में नियमित रूप से आने की अपील की है ताकि लोग स्वस्थ रहें।

शहडोल में पंडित बाबा ने 10 वर्षीय मासूम का अपहरण कर दुष्कर्म की कोशिश, भूरा महाराज गिरफ्तार

आस-पड़ोस को भनक पड़ते ही बच्ची को चंगुल से मुक्त कराया गया

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले में नारी शक्ति के लिए लंबे चौड़े भाषण के लिए हालही में बीते महिला दिवस पर ढेरों मंच सजे और मंचासीन माननीयों ने यथाशक्ति जागरूकता और संवेदनशील मुद्दे पर चुप्पी तोड़नी चाहिए बतलाया। ताकि महिलाओं और बच्चियों के साथ कोई लैंगिक अपराध की घटनाएं ना घटित हो और तो और अब सरकार भी धर्म-कर्म वा संस्कारो वाली परम्परा को आगे बढ़ाने की दृष्टि कोण में चल रही है सूबे और केन्द्र सरकार में मौजूद सरकार महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बेहद संवेदनशील है बावजूद मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में 10 वर्षीय मासूम बच्ची को तथाकथित पंडित ने बाबा ने पहले तो उसका अपहरण किया फिर घर ले जाकर बच्ची से हैवानियत कि हदें पार करने की कोशिश की गई गनीमत रही की मामले में भनक आस-पड़ोस को पड़ते ही बच्ची को

पाखंडी के चंगुल से मुक्त कराया।

जानिए पूरा मामला और सच्चाई.... मंगलवार मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता मासूम के परिजनों की शिकायत पर अमलाई पुलिस ने तथाकथित पाखंडी आरोपी राम विशाल पंडित उर्फ भूरा महाराज के खिलाफ दुराचार के प्रयास के अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके साथ ही आरोपी को न्यायालय पेश कर भेज दिया गया। यह पूरी घटना अमलाई थाना क्षेत्र की बताई जा रही है।

अमलाई थानांतर्गत के सुभाष चौक के पास रहने वाले राम विशाल पंडित उर्फ भूरा महाराज ने अमलाई थाना क्षेत्र की रहने वाली 10 वर्षीय मासूम बच्ची जो घर से दुकान च्विंगम लेने निकली थी, जिसे अकेला देख आरोपी ने बहला फुसला कर अपने घर ले गया। जंहा दरवाजा बंद कर मासूम के साथ दुराचार का प्रयास कर रहा था, तभी मासूम के परिजनों को घटना की जानकरी लगी और परिजन व पड़ोसी उसके घर जा पहुचे।

बाबा का खुला पाखंड...

वहीं दरवाजा बंद होने के कारण उसे खोलने का प्रयास किया। लेकिन वह नहीं खुला, जिस पर परिजनों ने दरवाजा तोड़कर खोला और जो नजारा देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों ने आरोपी को अर्धनग्न अवस्था में ही पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़िता मासूम के परिजनों की शिकायत पर अमलाई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 354, 354 (क)342 एवमं 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही न्यायालय पेश कर जेल भेज दिया गया।

प्रतिक्रिया..... अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा ने बताया के इस पूरे मामले में कि एक बच्ची के साथ गलत काम करने के प्रयास की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई है।

जनता त्रस्त: शहर में नकाबपोश चोर चटका रहें ताले, हर दिन चोरी आरोपी अज्ञात.....

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, एक गांव में एक चोर रहता था, गांव वालो को यह पता नहीं था की वह चोरी करता है, चोर बहुत सफाई से चोरी करता था, उसे कोई भी गांव वाला नहीं पकड़ पाया था, गांव वाले यह जानते थे की चोरी तो गांव में होती है लेकिन चोर कौन है इसका अंदाजा किसी को नहीं था, दरअसल बहरूपिया कभी नेता बन जाता कभी काश्तकार, कभी दलाल तो कभी गरीब, आदिवासी और पिछड़े लोगों शराब पिलाकर चोरी चकारी की वारदात को अंजाम दिलाया करता था, महंगी गाड़ियों और गिफ्ट में दी घड़ियों एवं रंगीन मिजाज़ के शौकीन को कोई पहचान नहीं पाया, हम आपको बता दें यह क्रिया इस चिंदी चोरो के सरदार को विरासत में मिली पहले इनके बड़े बुजुर्ग शासकीय भूमि पर हाथ साफ करते थे, कभी तहसीलदार तो कभी एसडीएम को हाथ जोड़कर लिखित रूप से माफीनामा मांगते फिरते थे और आज इनकी पीढ़ी-दर-पीढ़ी की कहानी फिर दोहराई जा रही है यहां बाकायदा देखने को मिल रहा है अब चिंदी चोरो का सरगना लोगों की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर रहा है जैसे उनके पूर्वज बादस्तूर यही काम जारी रखें हुए हैं यह कहा जा सकता है कि चुनांचे विरासत में मिला काम बड़ी शिद्दत से जारी रखें हुए हैं अब तो चोरी और शहंशाह वाली सीनाज़ोरी के साथ रंगीन मिजाज़ी काकटेल इस काम को और एक कदम आगे ले जा रहा है अभी इतना ही नहीं है आगे सुनिए चोरों के गुरु ने अब युवाओं की रगों में ज़हर घोलने का काम भी कुछ वर्षों से शुरू कर दिया है अब बात अवैध पैकारी तक की नहीं रह गई अब पुराने पैटर्न का नशा, दारू, गांजा अब महंगा नशा हो चला, तो सूखा नशा की भी अब होम डिलीवरी की तर्ज गली गली प्रतिबंधित दवाई इंजेक्शन इत्यादि की खेप धीरे-धीरे ड्रग्स रैकेट की खाई में धकेली जा रही जिले की युवा पीढ़ी को बर्बाद होने से बचाने की जिम्मेदारी किसकी है जनप्रतिनिधि की जिले की पुलिस की या जिले की कलेक्टर की जनता आप सबकी तरफ आशा की नज़रों से निहार रही है तो वहीं दूसरी ओर चिंदी चोरो का सरगना अपनी मस्ती में मदमस्त हो फिल्मी धुनों पर गाना गा रहा है पुलिस प्रशासन को मुंह चिढ़ा रहा सुनें और समझे।

रोमियो नाम मेरा चोरी है काम मेरा.... लगातार बढ़ती चोरियों की वारदात सीसीटीवी फुटेज साक्ष्य इत्यादि के बावजूद पुलिस पकड़ से बच रहे आरोपियों की गैंग का होंसला परवान चढ़ता हुआ नज़र आ रहा है जिले की सबसे सुरक्षित कालोनी पांडवनगर में शत प्रतिशत शासकीय अफसर सहित न्यायाधीश निवासरत है इनके आवास की सुरक्षा पर जब नकाबपोश का कुठाराघात किया जा रहा है, इससे लगे आशीर्वाद कालोनी, कल्याणपुर, कमलानगर का हालही में ताले तोड़े गए, जिनमें अधिकांश बदमाशों को सीसीटीवी कैमरे में देखा गया है सूत्रों के मुताबिक पुरानी बस्ती कल्याणपुर रोड़ से पचगांव रोड़ की नकली नाममात्र दिखावा के लिए खोल कर रखी किराना दुकानों और इनके संचालको की आमदनी और उनके मंहगे शौक को देखकर चोरी चकारी के पीछे की पिक्चर काफी हद तक क्लियर हो सकती है।

अखिल भारतीय फ्रेंड्स गोल्ड कप का खिताब का फाइनल मैच समाप्त

रेलवे बिलासपुर ने मारी बाजी, दिल्ली पराजित

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

बुढार, नगर के स्व.कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय फ्रेंड्स गोल्ड कप का समापन हो गया, समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के लघु उद्योग एवं कुटीर विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में धनपुरी नगरपालिका की अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा, धनपुरी नगरपालिका के उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल रहे, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य जगन्नाथ शर्मा , पीके भगत, बबलू जायसवाल, अशोक मिश्रा अनिल द्विवेदी, इंद्रजीत सिंह छाबड़ा, राकेश पांडेय, सचिन सेठिया, दीपक शर्मा, अर्जुन सोनी,थानेश्वर आदि रहे। फाइनल मैच में रेलवे बिलासपुर ने लाल बहादुर शास्त्री क्रिकेट अकादमी दिल्ली को पराजित किया।

अनुभव से भरपूर बिलासपुर पड़ी भारी... प्रतियोगिता के फाइनल में बिलासपुर के कप्तान ने टॉस जीत कर पहले क्षण का फैसला किया, पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम ने निर्धारित बीस ओवरों में आठ विकेट पर 154 रनों का स्कोर खड़ा किया, दिल्ली की ओर से बल्लेबाज टीडी ने 51 रनों की पारी खेली ,अर्नब बुग्गा ने अपनी टीम के लिए 32 रनों का योगदान दिया द्य, बिलासपुर की ओर से गेंदबाज अमित मिश्रा ने तीन विकेट लिए, जीत के लिए 155 रनों का पीछा करने उतरी बिलासपुर के प्रारंभिक बल्लेबाजों ने तेज शुरुआत की, प्रारंभिक बल्लेबाज जयंत केवट ने 67 और सिद्धार्थ सिंह ने 51 रन बनाए, बिलासपुर की टीम ने यह लक्ष्य दो विकेट खो कर पूरा कर लिया और मैच को आठ विकटों से जीत लिया, बिलासपुर टीम के बल्लेबाज जयंत केवट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच के पुरुस्कार से पुरुस्कृत किया गया।

जब हुआ मैन ऑफ द मैच घोषित... मैन ऑफ द मैच का पुरुस्कार कामाख्या नारायण राय की ओर से प्रदान किया गया, प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज दिल्ली के कौशल सुमन रहे जिन्हे दीपेंद्र सिंह (दीपू) की और से पुरुस्कृत किया गया, प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बिलासपुर के प्रवीण यादव रहे जिन्हे मेघना सिंह ने पुरुस्कृत किया, बेस्ट ऑलराउंडर दिल्ली के अर्णव बुग्गा रहे जिन्हे नगर पंचायत बुढार के पार्षद हर्ष पाठक और विनोद पाठक ने पुरुस्कृत किया, प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दिल्ली के अर्णव बुग्गा बने जिन्हे डा.मदन त्रिपाठी, महेंद्र त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी ने पुरुस्कृत किया, मैच में एम्पायर की भूमिका श्रीराम बोर्डे और व्योमकेश त्रिपाठी ने निभाई वहीं कमेंट्री मो. कलाम, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने की स्कोरिंग का दायित्व मो. याह्या का रहा। दिल्ली की टीम के प्रायोजक दीपक माझी(लालू), पवन चीनी, और मनीष राय रहे वहीं बिलासपुर टीम के प्रायोजक पप्पू तोदी, रवि द्विवेदी, भारत कचेर, जय कुमार जलूजा रहे।

आयोजन समिति के यह कर्णधार... आयोजन समिति के सदस्यों में कैलाश विश्नानी, अनिल सोनी, श्रीनिवास द्विवेदी, अवधेश पाण्डेय(पिंटू), पवन नियर्सेस, जुगुल मिश्रा, राजीव त्रिपाठी, योगेंद्र सिंह, असलम सम्राट, चिंटू सिंह, सुशील उपाध्याय, आनंद बारी, विक्रम सिंह, गोपाल चौधरी, फूलचंद यादव, असलम सम्राट अमृतांशु मिश्रा प्रमुख हैं।

सेकेंड लेवल पर निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास भू-माफिया ने हथियाया, सड़क पर हितग्राही

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, मध्यप्रदेश के तमाम जिलों में आला मुकाम हासिल इस अंचल की ख्याति अब तो भू-माफियाओं की करतूतों के लिए चर्चाओं में हैं इसकी धमक सूबे की राजधानी तक सुनने को मिल रही है, अब शहडोल में भारतीय संविधान से परे ही भू-माफिया अपना स्वयं का बना ही कानून चला रहे हैं जिसके संबध बढ़ती पीड़ितों की संख्या में इजाफा हो रहा, इसी क्रम में शिकायतकर्ता रामदास वर्मा पिता भगवान दीन वर्मा ने सिटी चीफ रिपोर्टर को बतलाया कि बीते 10 मार्च 2024 को मन्ना नायक अपने 25-30 गुर्गों को घर में लेकर आया और धावा? बोल? दिया, कहां की अपनी जान प्यारी है तो तत्काल घर से बाहर निकल जाओ। शिकायतकर्ताओं ने कहा हमारे घर पर बीते दिनो से प्रधानमंत्री आवास योजना का कार्य चल रहा था एक किस्त मेरे खाते में भी आ चुकी है इसकी विधिवत कागज़ी जांच कार्यवाही हो चुकी है तदोपरांत दूसरी किश्त भी आनी है लेकिन परिवार के सभी लोग किसी कदर दरी, पन्नी, टिन शेड इत्यादि लगवा कर गुजारा कर रहे थे 10 मार्च 2024 को मेरी पूरी ग्रहस्ती पर कब्ज़ा कर लिया गया है मेरे बर्तन, मेरी अलमारी जिसमें सोना चांदी और ऋण लिया गया लगभग 60 हजार रुपए नगदी आलमारी में रखे हुए हैं। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक अब इन्हें उक्त मामले में

भू-माफिया भूमि हड़पना चाहता है हम और हमारे परिजनों के साथ अन्याय हो रहा है। हमारी मदद करें सरकार।

जबकि मामले में हितग्राही को आवंटित आवास योजना (2022) में मिला था जिसके बाद पहली किश्त की राशि में प्लेनथ बिल इत्यादि का निर्माण हुआ और धीरे धीरे हमने और परिजनों एवं बैंक? इत्यादि से ऋण लेकर छत लेवल पर कर लिया, और बीते 10 मार्च 2024 को मन्ना नायक एवं उनके लठैत गरीब के प्रधानमंत्री आवास निर्माण में कब्ज़ा जमाएं बैठे हैं।

शिकायतकर्ताओं ने बतलाया आरोपी द्वारा इस घटनाक्रम को अंजाम देने की शिकायत स्थानीय थानांतर्गत में जाकर की गई लेकिन गरीब को कोई राहत नहीं मिली।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया-मामले में सोहागपुर थाना प्रभारी को उनके मोबाइल नंबर पर लगातार मामले पर एक्शन या लापरवाही मामले में प्रतिक्रिया लेने? 971मममम549 पर फोन किया गया लेकिन साहब का फ़ोन बजता रहा रिसिव नहीं हुआ।

भाजपा मैहर जिला कार्यकारणी से भाजपा के कई वरिष्ठ नेता सूची में नदारत

मैहर जिले मे भाजपा गुटो में बटने के संकेत

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ

मैहर, मैहर जिला बनने के बाद पहली बार मैहर जिला की भाजपा कार्यकारणी गठित हुई पर मैहर जिला भाजपा के कई वरिष्ठ भाजपा नेता गुटबंदी के हुए शिकार नही मिली जिला कार्यकारणी में जगह क्या पार्टी चुनाव समीप देख देगी लॉलीपॉप या करेगी नजरंदाज मैहर जिले के वरिष्ठ नेताओं को। सतना लोकसभा की चुनावी सरगर्मियों के बीच भाजपा ने 4 बार के सांसद रह चुके श्री गणेश सिंह जी को 5वी बार टिकट देकर मैदान पर उतार दिया है जिसमे सतना लोकसभा के अंतर्गत अब 2 जिलों का समावेश हो चुका है सतना जिले से अलग होकर बना मैहर जिला लोकसभा सतना के अंदर है नया जिला मैहर की भाजपा जिला कार्यकारणी का हाल ही मे गठन किया गया पर नई कार्यकारणी के अंदर भारी गुटबंदी साफ साफ जिला वासियों को नजर आ रही है जिसकी चर्चा गली गली होने लगी की भाजपा के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले पार्टी

के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को मैहर जिला कार्यकारणी मे कोई जगह नही मिली जो की हाल ही में सतना जिला भाजपा कार्यकारणी में थे वैसे तो मैहर विधानसभा वा अमरपाटन विधानसभा के कई वरिष्ठ भाजपा नेता है जिनको पार्टी की मैहर जिला कार्यकारणी मे जगह नही मिली सांसद प्रतिनिधि वा जिला कार्यसमिति सदस्य श्री सत्यभान सिंह पटेल जी, वर्तमान मैहर नगरपालिका पार्षद वा जिला कार्यसमिति सदस्य श्री अशोक चौबे जी, जिला कार्यसमिति सदस्य श्री रमाकांत दुवेदी जी अमदरा सर्किल से, भाजपा वरिष्ठ नेता श्री सनद गौतम जी, पार्षद वा कार्यसमिति सदस्य रवि सराफ जी जैसे कई नेताओं को मैहर जिला कार्यकारणी से दूर रखा गया है पार्टी के अंदर की अंतरकलह साफ प्रदर्शित हो रही है वही नई कार्यकारणी घोषित होने के 24 घंटे बीतते ही मैहर जिला कार्यकारणी के जिला मंत्री श्री विक्रमादित्य सिंह जी ने अपना इस्तीफा मैहर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमलेश सुहाने जी को भेज दिया जो साबित करता है की कुछ बडा चल रहा है और सोचनीय सवाल यह भी है कि जिस तरह मैहर ज़िले भाजपा के दिग्गज नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है जो की शुभ संकेत नही या फिर हाल ही मे होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए इन नेताओ को लॉलीपॉप देकर पार्टी का काम करवाया जायेगा या फिर ये नेता लालकृष्ण आडवाणी मुरलीमनोहर जोशी जी की तरह लाइन अटैच हो जायेगे या अपना मनसम्मन बचाने के लिए विचारणीय सवाल भी खड़ा हैं वही पार्टी के अंदर नए चेहरो को जिला कार्यसमिति सदस्य होना चाहिए तो डायरेक्ट जिला महामंत्री, जिला मंत्री, कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष जैसे पड़े पदों पर पदासीन किया गया है।

जल संसाधन विभाग से बन रही पड़रहा नहर मैं हो रही है जमकर धांधली

जिले में बैठे हुए अधिकारी साधे हैं चुप्पी, एस्टीमेट एवं ड्राइंग के हिसाब से नहीं हो रहा है नहर का कार्य

संवाददाता रामनरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ अजयगढ़। पन्ना, पन्ना जिले के अजयगढ़ तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रहा के तालाब में ग्राम निमहा के पास बन रही नहर में जमकर हो रहा है घटिया सामग्री का उपयोग एवं तय मानक से अधिक मात्रा में डाली जा रही है गिट्टी और रेत घटिया रेत का किया जा रहा है उपयोग नहर बनाते ही कई जगह से टूट गई है और कई जगह दरारें भी पड़ गई हैं गांव के किसान लगातार कर रहे हैं विरोध लेकिन ठेकेदार मनमानी पर है उतारू जिले में बैठे हुए अधिकारी साधे हुए हैं मौन जल संसाधन विभाग से बन रही नहर में ठेकेदार के द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से करवाया जा रहा है शासकीय कार्य ठेकेदार शासकीय नियम को रख रहा है ताक पर एस्टीमेट के हिसाब से नहीं हो रहा है कार्य ग्राम निमहा में एवं ग्रामीणों ने बताया है कि हम लोगों ने 181 में भी शिकायत की

है लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है किसानों ने मीडिया के समक्ष बताया है कि अगर हम लोगों की नहीं सुनी गई तो हम लोग आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। समाचार के माध्यम से कई बार खबर को प्रकाशित किया गया परंतु आज दिनांक तक नहीं हुई है जांच एवं जो नहर ढल चुकी है उसकी तलाई भी नहीं होती है इस वजह से सीमेंट और रेत भी झरने लगा है किसानों ने मांग की है कि अच्छा मटेरियल लगाया जाए एवं क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से निवेदन किया है कि एस्टीमेट एवं ड्राइंग के आधार पर ही काम हो। ग्रामीणों के द्वारा लगातार आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। गांव के किसान मुख्य रूप से रहे उपस्थित अनिरुद्ध सिंह यादव, पदम सिंह यादव, पहलवान राय, जितेंद्र सिंह यादव, वीर सिंह यादव आदि समस्त लोग रहे उपस्थित।

पाकिस्तान के जरनवाला में ईशनिंदा मामले में फंसाए गए ईसाई भाई कोर्ट से बरी

पेशावर: पाकिस्तान के जरनवाला में ईशनिंदा मामले में फंसाए गए ईसाई भाइयों उमर और उमैर सलीम को 29 फरवरी को ईशनिंदा के आरोप से बरी कर दिया गया । अदालत में यह बात सामने आई थी कि दो मुस्लिम पुरुषों ने उनके खिलाफ दुश्मनी के कारण उन्हें फंसाया था। सेंटर फॉर लीगल एड असिस्टेंस एंड सेटलमेंट के वकील ताहिर बशीर, जो बरनबास एड के समर्थन से ईसाइयों को कानूनी सहायता प्रदान करता है, ने फैसलाबाद में आतंकवाद विरोधी अदालत को सूचित किया कि एक पुलिस जांच ने उमर (रॉकी) और उमैर (राजा) को बरी कर दिया है। पुलिस ने अदालत में पुष्टि की कि दो मुस्लिम लोगों ने भाइयों के खिलाफ व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण उन्हें फंसाने की साजिश रची। मुस्लिम लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें जेल में रखा जा रहा है। न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मोहम्मद हुसैन ने सलीम

बंधुओं को बरी करने का आदेश दिया और उन्हें मुक्त कर दिया गया। 16 अगस्त 2023 को जारनवाला शहर के ईसाई क्षेत्र में मुस्लिम पुरुषों ने अपने 100 से अधिक साथियों सहित इन भाईयों पर कुरान के पन्नों को अपवित्र करने का निराधार आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ की और कम से कम 24 चर्च और कई दर्जन छोटे चैपल जला दिए और अधिक लोगों के घरों पर हमला किया। सलीम बंधुओं को दंगों के दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में बंद कर दिया गया। बरी होने के बाद CLAAS ने न्याय के सफल वितरण के लिए धन्यवाद प्रार्थनाएँ आयोजित कीं। बशीर ने बाद में कहा, वे (भाई) स्वतंत्र हैं, वे अपने परिवार के साथ हैं। वे रिहा होने से बहुत खुश थे। सलीम भाइयों पर पाकिस्तान के सभी तीन कुख्यात ईशनिंदा कानूनों के तहत आरोप लगाए गए थे, जिसमें धारा 295-सी भी शामिल है, जिसमें अनिवार्य मृत्युदंड का प्रावधान है। उन पर पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत सांप्रदायिक नफरत भड़काने का भी आरोप लगाया गया था। पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट भी जारनवाला दंगों से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रहा है। 13 फरवरी को अपनी शुरुआती सुनवाई में अदालत ने कहा कि पंजाब पुलिस हिंसा में शामिल लोगों को जानती थी लेकिन उनका नाम बताने से डर रही थी। पीठ का नेतृत्व करने वाले पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फ़ैज़ ईसा ने कहा कि उन्हें शर्म आती है कि दंगों के बाद गिरफ्तार किए गए 304 संदिग्धों में से छह महीने में केवल 18 चालान (चार्जशीट) अदालतों में जमा किए गए हैं।

कोविड संक्रमण पर काबू पाने के लिए वैज्ञानिकों ने खोजी एंटीवायरल दवा

नेशनल डेस्क- हाल ही में एक अध्ययन में पाया गया है कि कोविड महामारी के समाप्त होने के बाद भी इसका असर शरीर में लंबे समय तक रहता है। हालांकि इसी बीच अच्छी खबर यह है कि अच्छी खबर यह है कि वैज्ञानिकों ने एंटीवायरल दवाओं की एक नई श्रेणी की खोज की है जो कोविड संक्रमण को रोकने, या इलाज करने की क्षमता रखती है। नेचर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दावा कि कोविड-19 का कारण बनने वाला सार्स कोव-2 वायरस कोशिकाओं में एक मार्ग को सक्रिय करता है, जो पेरोक्सिजोम्स व इंटरफेरॉन के उत्पादन को रोक देता है। इस समस्या के हल स्वरूप वैज्ञानिकों द्वारा खोजी गई नई एंटीवायरल दवा इंटरफेरॉन के उत्पादन को बढ़ाकर कोविड का प्रभाव कम करती है। 4 साल भी सामने आ रहे हैं कोरोना के मामले कोरोना वायरस 4 साल से अधिक समय से वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम बना

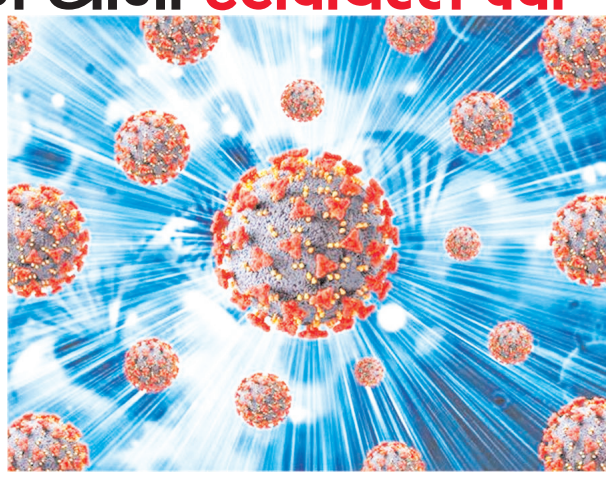

हुआ है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का एक शोध बताता है कि किसी व्यक्ति के पहली बार कोरोना से संक्रमित होने के बाद वायरस के अवशेष एक वर्ष से अधिक समय तक रक्त और टिशुज में रह सकते हैं। ऐसे में कोरोना के जोखिमों को लेकर सभी को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। कोविड के मामलों में इजाफा शुभ संकेत नहीं है। मौजूदा समय में देश में कोविड के जो मरीज सामने आ रहे हैं। उनके अंदर तेज बुखार, खांसी, जुकाम, सूंघने की क्षमता का कम होना, निमोनिया जैसे लक्षण और आंखों में इंफेक्शन जैसे लक्षणों दिख रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक फिलहाल ज्यादातर लक्षण हल्के दिख रहे हैं और मरीज 7 दिनों के अंदर ठीक हो रहे हैं। फिर भी बचाव के उपायों का पालन करना बेहद जरूरी है।

यू.पी. और हरियाणा में जाटों के वोट साधने के लिए दो अलग रणनीतियों पर काम कर रही है भाजपा

नेशनल डेस्क- भाजपा उत्तरी भारत में जाटों के वोट साधने के लिए दो अलग-अलग रणनीतियों के तहत काम कर रही है। भाजपा जहां उत्तर प्रदेश में जाट वोटरों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है, वहीं उसे हरियाणा में समुदाय के वोट विभाजन से लाभ मिलने की उम्मीद है। जानकारों की मानें तो भाजपा ने एक रणनीति के तहत ही उत्तर प्रदेश में जयंत चौधरी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) को अपनी आकर्षित किया है। रालोद सपा को छोड़ भाजपा के साथ खड़ा हो गया है, जाहिर है कि उसे इससे जाट वोट हासिल करने में आसानी होगी।

जे.जे.पी. को दो सीट भी नहीं देना चाहती थी भाजपा

भाजपा ने जाटों की राजनीति को पटरी पर लाने के लिए रालोद के साथ दो सीटों पर समझौता किया, जबकि वह पिछले चार साल से अधिक पुराने सहयोगी जे.जे.पी. को हरियाणा में दो लोकसभा सीटें देकर अपने साथ रखने को तैयार नहीं है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि दो राज्यों में जाटों के वोट बैंक को हासिल करने के लिए इस तरह भाजपा दोहरी रणनीति के तहत काम कर रही है। भाजपा को लगता है कि हरियाणा में जाटों के

वोट विभाजन से उसे राज्य की दस सीटों पर काबिज होने में मदद मिलेगी। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में रालोद को साथ लेकर उसे जाट वोट बैंक से सीधा फायदा होगा।

नुकसान की भरपाई के लिए है रणनीति

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक गतिशीलता के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण जिम्मेदार हैं। पश्चिमी यू.पी. में भाजपा से मुसलमानों के वोट सपा-कांग्रेस गठबंधन की ओर छिटक सकते हैं। जिसकी भरपाई भाजपा रालोद के जाट वोट बैंक से कर सकती है। हालांकि हरियाणा में भाजपा द्वारा किए गए कुछ आंतरिक सर्वेक्षणों से यह भी पता चलता है कि किसानों और पहलवानों के विरोध के बाद जाट मतदाताओं का एक वर्ग वापस कांग्रेस में चला जाएगा, जिसके राज्य में सबसे बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री भुपिंदर सिंह हुड्डा जाट समुदाय से ही हैं। हरियाणा भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि जाट वोटों के एकजुट होने से राज्य में गैर-जाट वोटों का एकीकरण होने की संभावना है और पार्टी को इसका फायदा होने की उम्मीद है। चूंकि भाजपा के पास हरियाणा में कोई करिश्माई जाट नेता नहीं है, इसलिए उसे उम्मीद है कि जे.जे.पी. कांग्रेस से जाट वोटों का एक हिस्सा छीन लेगी।

यूएस सांसद ने कहा- अमेरिका में बढ़ रहा है हिंदू फोबिया, इससे लड़ने की जरूरत

वाशिंगटन- भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा है कि हाल ही में अमेरिका में हिंदू फोबिया में वृद्धि देखी गई है, जिससे लड़ने की जरूरत है क्योंकि इस देश में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। थानेदार ने हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते घृणा अपराध से लड़ने की मांग करने वाले हिंदू नेताओं और संगठनों के एक समूह में शामिल होने के अवसर पर यह बात कही। हिंदूएक्शननामक संगठन द्वारा आयोजित एक बैठक के दौरान विभिन्न भारतीय अमेरिकी समूहों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को अमेरिका की राजधानी में मुलाकात की। थानेदार ने कहा, '' हम अमेरिका में बहुत अधिक हिंदू फोबिया (हिंदुओं को लेकर एक प्रकार की असुरक्षा की भावना) देखते हैं। हमने कैलिफोर्निया एसबी403 (जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक) देखा है, और यह तो बस शुरुआत है। हमारे मंदिरों पर हमले और दुनिया भर में हिंदुओं पर हमले। यही एक कारण है कि मैंने हिंदू कॉकस बनाने का फैसला किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य थानेदार ने कहा, '' अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार, हमारे पास एक हिंदू कॉकस है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कई पहल कर रहे हैं कि लोगों को अपने धर्म का पालन करने की धार्मिक स्वतंत्रता हो जिस तरह से वे चाहते हैं। हमें इस भय, कट्टरता और नफरत से लड़ने की

जरूरत है। क्योंकि अमेरिका में नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लोगों के धार्मिक अधिकारों के खिलाफ नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। और इसलिए हम कांग्रेस में इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की सुहाग शुक्ला ने कहा कि विशेष रूप से कॉलेज परिसरों में बड़े पैमाने पर हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह और नफरत के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने अमेरिका में हिंदू समुदाय के खिलाफ घृणा अपराध की कुछ प्रमुख घटनाओं का भी उल्लेख किया। सुहाग शुक्ला ने कहा, '' पिछले दो वर्षों में हमने हिंदू विरोधी घटनाओं में वृद्धि देखी है। जिन सभी मंदिरों पर हमलों का मैंने उल्लेख किया है, उन सभी सड़क हमलों के साथ वीडियो में पकड़े गए अपराधी, जिनका मैंने उल्लेख किया है। हमलों के दौरान दिए गए बयान, भित्ति लेखन की प्रकृति और सामग्री ये सभी खालिस्तान आंदोलन की ओर इशारा करते हैं। जब सिख समुदाय के कुछ लोग हिंदू विरोधी घटनाओं के खिलाफ बोल रहे हैं, तो उन पर शारीरिक हमला किया गया है।

ऑस्ट्रिया ने रूस के दो राजनयिकों को निकाला, बताई वजह

इंटरनेशनल डेस्क: ऑस्ट्रिया ने बुधवार को कहा कि उसने राजधानी विएना में स्थित रूसी दूतावास के दो राजनयिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। एक ऑस्ट्रियाई अधिकारी ने बताया कि दोनों राजनयिकों को जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के चलते निष्कासित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर बताया कि रूस के दो राजनयिक पद पर रहते हुए असंगत कृत्य में शामिल थे, इसलिए उन्हें निष्कासित किया गया है। उन्होंने राजनयिकों या उनके कथित कार्यों के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया। राजनयिकों ऑस्ट्रिया छोड़ने के लिए 19 मार्च तक का समय दिया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक ऑस्ट्रियाई अधिकारी ने कहा कि राजनयिकों को जासूसी के आरोप में देश से निष्कासित किया गया है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इस बारे में जानकारी साझा की है। ऑस्ट्रिया में रूसी दूतावास ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक बयान जारी कर कहा कि वह रूसी दूतावास के दो कर्मचारियों को देश से निकालने के ऑस्ट्रिया विदेश मंत्रालय के फैसले से नाराज है। रूसी दूतावास की ओर से जारी किये गये बयान में कहा गया है ''हमारे राजनयिकों को निकालने के बारे में किसी भी प्रकार का कोई सबूत पेश नहीं किया गया। राजनयिकों द्वारा वियना कन्वेंशन का उल्लंघन करने के बारे में भी सबूत नहीं दिया गया है। यह ऑस्ट्रियाई अधिकारियों का पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय है, जिसे हम स्पष्ट रूप से स्वीकार नहीं करते हैं।

शोधकर्ताओं ने खोजा किडनी के इलाज का सफल तरीका, दवा के जरिए सीरम क्रिएटिनिन पर पाया काबू

नेशनल डेस्क- भारतीय शोधकर्ताओं ने नीरी के.एफ.टी. दवा को किडनी के इलाज में रामबाण बताया है। शोधकर्ताओं ने दवा के जरिए मरीजों 42 दिनों में सीरम क्रिएटिनिन के स्तर को काबू करने का सफल परीक्षण किया है। बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन ईरान के मेडिकल जर्नल एविसेना जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्री ने प्रकाशित किया गया है। इसका संचालन चर्चित हमादान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन साइंसेज कर रहा है। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि नीरी के.एफ.टी. 19 जड़ी-बूटियों से बनी एक भारतीय आयुर्वेदिक दवा है जिसमें पुनर्नवा, गोखरू, वरुण, कासनी, मकोय, पलाश, गिलोय मिश्रण है। भारतीय वैज्ञानिकों के साथ खोज करने वाले एमिल फार्मास्युटिकल्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने मीडिया को बताया कि पारंपरिक चिकित्सा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। आयुर्वेद में किडनी को मजबूती देने के लिए कई औषधियों का जिक्र है। नीरी के.एफ.टी. पर अब तक कई चिकित्सा अध्ययन हुए हैं जिनमें इसे असरदार पाया गया है।

देश में क्रोनिक किडनी डिजीज का इलाज

शोधकर्ताओं के अनुसार समय पर पहचान न होने से क्रोनिक किडनी डिजीज यानी सीकेडी का बोझ लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर यह करीब 13 फीसदी तक है। भारत की बात करें तो 10 में से नौ सीकेडी रोगी महंगे उपचार का भार नहीं उठा सकते। इसलिए सस्ते विकल्प के तौर पर पारंपरिक चिकित्सा के वैज्ञानिक तथ्यों का पता लगाने के लिए यह अध्ययन किया गया है। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने नीरी के.एफ.टी. दवा एवं कबाब चीनी का इस्तेमाल करते हुए पाया कि 15-15 मरीजों के दोनों समूह में अनेक सकारात्मक प्रभाव हैं।

अगर यूरोप शांति चाहता है तो उसे युद्ध के लिए तैयार रहना होगा- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन

पेरिस- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने कहा कि अगर यूरोप शांति चाहता है तो उसे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रूस को एक ऐसा प्रतिद्वंद्वी कहा जो दो साल पुराने संघर्ष में कीव के सैनिकों को हराने के बाद भी यूक्रेन में नहीं रुकेगा। मैक्रॉन ने फरवरी में यह कहकर विवाद पैदा कर दिया था कि वह भविष्य में यूक्रेन में जमीनी सैनिकों की तैनाती से इनकार नहीं कर सकते, कई नेताओं ने खुद को इससे दूर कर लिया, जबकि अन्य, विशेष रूप से पूर्वी यूरोप ने समर्थन व्यक्त किया। अगर रूस यह युद्ध जीतता है, तो यूरोप की विश्वसनीयता शून्य हो जाएगी, मैक्रॉन ने एक टेलीविजन इंटरन्यू में कहा, जो ज्यादातर घरेलू दर्शकों के

लिए था, मैक्रॉन ने कहा कि वह विपक्षी नेताओं से गहराई से असहमत हैं। उन्होंने कहा, आज, यूक्रेन को समर्थन देने के खिलाफ वोट देने या अनुपस्थित रहने का निर्णय, यह शांति नहीं चुन रहा है, यह हार चुन रहा है। यह अलग है। मैक्रॉन की मुख्य विपक्षी पार्टी, मरीन ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी, फ्रांस द्वारा यूक्रेन के साथ हस्ताक्षरित सुरक्षा समझौते के बारे में सप्ताह की शुरुआत में संसद में मतदान में अनुपस्थित रही, जबकि कट्टर वामपंथी फ्रांस अनबोएड पार्टी ने इसके खिलाफ मतदान किया। मैक्रॉन ने कहा, अगर यूरोप में युद्ध फैलता है, तो रूस जिम्मेदार होगा। लेकिन अगर हमने कमज़ोर होने का फैसला किया; अगर हमने आज तय कर लिया कि हम जवाब नहीं देंगे, तो यह पहले से ही हार चुनना होगा। और मैं ऐसा नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि यूरोप के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह लाल रेखाएं न खींचे, जो क्रेमलिन की कमजोरी का संकेत होगा और उसे यूक्रेन पर आक्रमण के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया कि यूक्रेन में तैनाती कैसी हो सकती है। मैक्रॉन ने कहा, मेरे पास सटीक न होने के कारण हैं। उन्होंने कहा, मैं (पुतिन को) दृश्यता नहीं देने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि फ्रांस कभी भी रूस के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई शुरू नहीं करेगा और इस तथ्य के बावजूद कि रूस ने फ्रांस के अंदर और बाहर फ्रांसीसी हितों के खिलाफ आक्रामक हमले शुरू किए हैं, पेरिस मास्को के साथ युद्ध में नहीं है। उन्होंने इसे दुश्मन कहने से इनकार करते हुए कहा, रूस एक शत्रु है। मैक्रॉन ने कहा कि यूक्रेन ज़मीनी स्तर पर कठिन स्थिति में है और सहयोगियों का मजबूत समर्थन आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक दिन रूसी राष्ट्रपति चाहे वह कोई भी हो के साथ शांति वार्ता करने का समय आएगा, पहली बार इस संभावना पर विचार करते हुए कि राष्ट्रपति पुतिन अब रूस में प्रभारी नहीं रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569